पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 256

ग्वालियर, बुधवार, 10 नवम्बर, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

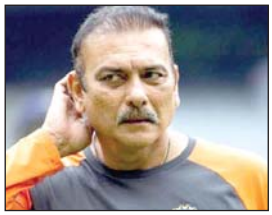

खास खबर

फिर टली आलिया और रणबीर कपूर की शादी, फैंस ने लिए खूब मजे

मुंबई। देश में शादियों के सीजन के साथ ही बॉलीवुड कपल्स की शादियों के चर्चे शुरू हो चुके हैं।इन दिनों कटरीना कैफ विक्की कौशल की शादी के अलावा आलिया और रणबीर कपूर की शादी को लेकर भी सुर्खियों का बाजार गर्म है।ऐसा माना जा रहा था इसी साल के अंत में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट भी शादी कर सकते है। हालांकि रणबीर-आलिया की शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे फैंस को थोड़ी निराशा हो सकती है क्योंकि इस साल यह कपल शादी नहीं करने जा रहे हैं।दरअसल रिपोर्ट में आलिया-रणबीर के शादी की टलने की बात कही हैं। अप्रैल महीने में आलिया- रणबीर शादी के बंधन में बंध सकते हैं। जिसका कारण आलिया भट्ट के वर्क कमिटमेंट को बताया जा रहा है। शादी के टलने की खराब से नाराज फैंस को नाराजगी साफ झलक रही है।

मुजफ्फरपुर में संदिग्ध नकली शराब के सेवन से 2 की मौत

पटना। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में संदिग्ध नकली शराब के सेवन से 2 लोगों की मौत हो गई। सूत्रों के मुताबिक सोमवार शाम दोनों ने शराब का सेवन किया, जिसके बाद से उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान सुमित राय उर्फ गोपी और अशोक कुमार के रूप में हुई है, जो दोनों जिले के सिसिरिया गांव के रहने वाले हैं। ग्रामीणों ने दावा किया कि मृतक पांच व्यक्तियों के समूह का हिस्सा थे जिन्होंने शराब का सेवन किया था। अन्य लोगों ने भी आंखों की रोशनी खोने की शिकायत की,जिन्हें एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं आबकारी विभाग घटना की जांच कर रहा है। सरैया थाना क्षेत्र के रेपुरा गांव में 29 अक्टूबर को जहरीली शराब पीने से 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य की आंखों की रोशनी चली गई। इसके अलावा, पिछले एक सप्ताह में, गोपालगंज, बेतिया और समस्तीपुर में जहरीली शराब की घटनाओं ने कई लोगों की जान ले ली है।

मोदी सरकार ने अभी तक 209.52 लाख टन धान की खरीद की

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने कहा कि उसने मौजूदा खरीफ विपणन सत्र में अब तक 41,066.80 करोड़ रुपये से अधिक के 209.52 लाख टन धान की खरीद की है।खरीफ विपणन सत्र 2021-22 अक्टूबर से दिसंबर तक का है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) खाद्यान्न की खरीद और वितरण के लिए सरकार की नोडल एजेंसी है। खाद्य मंत्रालय ने कहा कि चालू खरीफ विपणन सत्र में आठ नवंबर तक 209.52 लाख टन धान की खरीद की जा चुकी है।

राफेल की नई रिपोर्ट पर भाजपा के संबिता पात्रा और कांग्रेस के पवन खेड़ा आमने-सामने

नई दिल्ली। एक फ्रांसीसी पत्रिका की राफेल संबंधी नई रिपोर्ट से देश में एक बार फिर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने आ गए हैं। इसके बाद कांग्रेस ने बीजेपी पर हमला बोला था। आज बीजेपी की तरफ से उसी रिपोर्ट का हवाला देकर यूपीए शासन के दौरान हुए भ्रष्टाचार पर सवाल उठाया गया। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने फ्रांसीसी मैगजीन की रिपोर्ट के हवाले से कहा कि राफेल सौदे में भ्रष्टाचार यूपीए के कार्यकाल में ही हुआ। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि घोटाला किसके कार्यकाल में हुआ यह सच्चाई आज सामने आ गई है। उन्होंने कहा कि यह पूरा मामला 2007 से 2012 के बीच हुआ है। पात्रा ने कहा कि इस सौदे में दलाल का नाम सामने आ गया है। दलाल का नाम एसएम गुप्ता बताया गया है। उन्होंने कहा कि इस व्यक्ति का नाम अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर

घोटाले में भी था। गुप्ता घूसखोरी का पुराना खिलाड़ी है। अगस्ता वेस्टलैंड केस में भी वह कमिशन एजेंट था।

पात्रा ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में हमने कमिशन ऑफ परचेज तो नहीं देखा लेकिन कमिशन ऑफ एग्रीमेंट जरूर देख लिया। पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी इटली से जवाब दें। पात्रा ने कहा कि इस एग्रीमेंट में 40 प्रतिशत कमिशन की बात कही गई है। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि 2019 के चुनाव से पहले कांग्रेस और बाकी विपक्षी दलों ने राफेल को लेकर जमकर माहौल बनाया था। उनको लगता था कि इससे चुनावी फायदा होगी, लेकिन देश ने देखा कि हुआ क्या है। संबित पात्रा के आरोपों का जवाब देते हुए कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि आपने बहुत जल्दी कमिशन की सौदेबाजी कर ली। और ऐसे कर ली कि 526 करोड़ की चीज बिना टेंडर के 1670 करोड़ में खरीद ली। संबित जी सही कह रहे हैं कि पीएम ने बहुत जल्दी-जल्दी यह डील फाइनल कर दी। राफेल डील में 41 हजार करोड़ का घोटाला हुआ है इस मामले में कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि कोल, 2जी, विनोद राय की माफी और अब राफेल... इस केस में नो करप्शन क्लॉज हटाने हुए प्रधानमंत्री रगे हाथों पकड़े गए हैं। इसमें 526 करोड़ का विमान 1670 करोड़ में खरीदने प्रधानमंत्री खुद चले जाते हैं। ट्रांसफर ऑफ टेक्नॉलजी निरस्त कर देते हैं। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि बिना टेंडर के इतना बड़ा सौदा कर दिया जाता है। पीएम खुद हस्तक्षेप कर-कर के कानून मंत्रालय अपने ही रक्षा मंत्रालय को नजरंदाज करते हैं। शिकायत होने पर और दलाल के घर से कागज बरामद होने पर 26 महीने से कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। अब बताइए अपराधी कौन है।

अंबानी के घर का पता पूछने वाले के हुई पहचान

मुंबई। देश के मशहूर उद्योगपति और रिलायंस इंडस्ट्री रके चेयरमैन मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया का पता पूछने वाले दो लोगों में से एक की पहचान हो गई है। मुंबई पुलिस ने एंटीलिया का पता पूछने वाले एक शख्स की पहचान की गई है और अब तक की जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया है। पुलिस ने कहा कि पहचान किए गए शख्स को जांच के लिए बुलाया गया है। पुलिस ने शख्स के बारे में बताया कि वह गुजरात का रहने वाला है और टैक्सी चलाता है। अभी तक उसके पास से कुछ भी संदिग्ध चीजें बरामद नहीं हुई हैं। दरअसल, उद्योगपति मुकेश अंबानी के दक्षिण मुंबई स्थित आवास एंटीलिया की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दरअसल, दो संदिग्ध यात्रियों के पास थैले होने और उनके द्वारा एंटीलिया का पता पूछे जाने के बाद एक टैक्सी चालक ने इसकी सूचना पुलिस को दी थी। अधिकारी ने कहा कि अल्टामाउंट रोड पर स्थित 27 मंजिला इमारत एंटीलिया के बाहर पुलिस और अधिक अवरोधक लगा रही है। अधिकारी ने बताया कि टैक्सी चालक के हवाले से बताया कि कार में सवार दोनों यात्री उर्दू में बातचीत कर रहे थे और उनके पास दो थैले थे। अधिकारी ने बताया कि आजाद मैदान पुलिस टैक्सी चालक का बयान दर्ज कर रही है। साथ ही, पुलिस टैक्सी चालक के दावे का सत्यापन कर रही है। उन्होंने बताया कि एक वरिष्ठ अधिकारी स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस साल फरवरी में एंटीलिया के बाहर एक संदिग्ध वाहन पाया गया था।

मायावती-अखिलेश हासिल नहीं कर सके मंजिल, अब योगी लिखने में जुटे एक्सप्रेस वे के जरिए विकास की पटकथा

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की राजनीति भले ही चुनावी दांव-पेंच, वोट के हथकंडों के लिए बदनाम हो, लेकिन पिछले दो दशकों से यहां एक्सप्रेस-वे के जरिए विकास की पटकथा लिखने की विभिन्न राज्य सरकारों में होड़ लगी रही है। मायावती से शुरू होकर, अखिलेश और अब योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस-वे निर्माण के जरिए राज्य में विकास की एक-दूसरे से बड़ी सियासी लकीर खींचने का प्रयास कर रहे हैं।

मायावती और अखिलेश को तो एक्सप्रेस वे सत्ता की मंजिल पर नहीं पहुंचा सका, लेकिन सीएम योगी का पूरा जोर पिछले कई मिथकों की तरह इस मिथक को भी तोड़ने पर लगा हुई है। सड़कें चौड़ी और चिकनी हों तो उसके इर्द-गिर्द के गांवों-कस्बों और शहरों के लोगों की

जीवनशैली बदल जाती है। सूबे में 10 साल पहले तक सिर्फ एक यमुना एक्सप्रेस-वे था। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में विस्तारित 165 किमी लंबे इस एक्सप्रेस-वे का निर्माण मायावती के शासनकाल में हुआ था। 2012 में अखिलेश यादव सत्ता में आए तो उन्होंने लखनऊ से आगरा के बीच 302 किमी। लंबे आगरा एक्सप्रेस-वे का निर्माण कराया। इस एक्सप्रेस-वे से लड़ाकू विमानों को उड़ाकर उन्होंने देशभर की निगाहें अपनी तरफ खींची थीं। अब योगी सरकार अगले दो महीने में दो एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन करने जा रही है, तो एक एक्सप्रेस-वे की वह आधारशिला रखेगी। उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस-वे बनाने का सपना सबसे पहले बसपा प्रमुख मायावती ने देखा था। 2002 में प्रदेश में बसपा की सरकार बनने के बाद उन्होंने ग्रेटर नोएडा से आगरा तक 165 किलोमीटर लंबा ताज एक्सप्रेस-वे (अब यमुना एक्सप्रेस-वे) के निर्माण का फैसला लिया था। तत्कालीन सीएम मायावती ने सात फरवरी, 2003 को लखनऊ में यमुना एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास किया था। जिसे बनाने का जिम्मा जेपी एसोसिएट लिमिटेड को दिया गया था। हालांकि, एक साल बाद ही राज्य में सत्ता परिवर्तन हो गया और मायावती की जगह मुलायम सिंह की अगुवाई में सरकार बनने पर एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य बंद करा दिया गया।

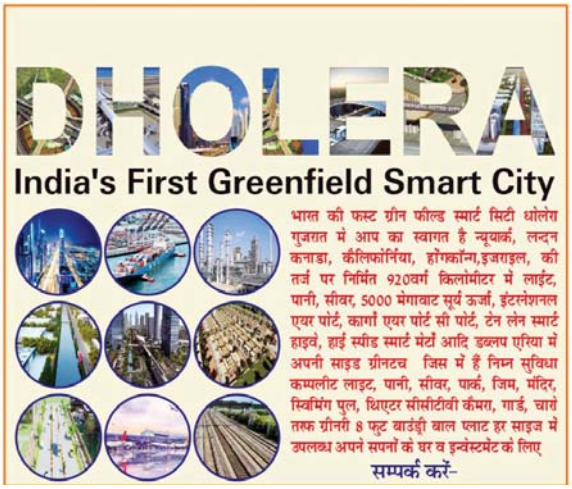

10 माह में टाइगर स्टेट में 35 बाघों की मौत, छिन सकता है टाइगर स्टेट का दर्जा

भोपाल। टाइगर स्टेट मध्यप्रदेश बाघों की कब्रगाह बन रहा है। महज 11 महीने में 35 बाघों की मौत हो गई। आलम यह है कि नेशनल पार्क में ही बाघ सुरक्षित नहीं हैं। नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथारिटी (एनटीसीए) द्वारा बाघों की मौत के जारी किए गए आंकड़े मध्यप्रदेश के लिए बेहद डरावने हैं। जनवरी 2021 से अब तक देशभर 107 बाघों की मौत दर्ज की गई है। इनमें अकेले एक तिहाई से अधिक मौतें मध्यप्रदेश में हुईं। यह स्थिति तब है जब मध्यप्रदेश ने कड़े मुकाबले में महज दो बाघ ज्यादा होने के चलते 2018 की गणना के आधार पर टाइगर स्टेट का दर्जा वापस पाया था। लेकिन एनटीसीए के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में कर्नाटक की तुलना में एक साल से भी कम समय में 20 से ज्यादा बाघ खो दिए। इस अवधि में कर्नाटक में 15 बाघों की मौत दर्ज की गई, जबकि मध्यप्रदेश का आंकड़ा 35 पहुंच गया। यानी की औसतन तीन बाघ प्रदेश में दम तोड़ रहे हैं। हैरानी की बात तो यह है कि वन व नेशनल पार्क से लेकर टाइगर रिजर्व तक का प्रबंधन मौत की वजह की तह तक नहीं पहुंच पा रहा है।

हीरा की मौत ने खोली नाकामी की पोल: पन्ना नेशनल पार्क के सबसे अधिक लोकप्रिय बाघ हीरा की सतना के जंगल में हुए शिकार ने वन विभाग की नाकामी की पोल खोलकर रख दी है। सेटेलाइट कालर आइडी से लैस होने के बाद भी वन अमला उसकी लोकेशन तक पहुंचने में गंभीर लापरवाही बरती। पन्ना नेशनल पार्क की ओर से लगातार दिए जा रहे अपडेट के 18 दिन बाद तक लोकेशन के इर्द-गिर्द सुरक्षा घेरा नहीं बना सका। बाघ की हत्या कर दी गई, उसका सिर काट कर ले गए खुले आसमान के नीचे पड़े कॉलर आइडी तक पहुंचने में अमले ने एक पखवाड़े का वक्त लगा दिया। तब तक उसका शरीर भी गल चुका था।

नेशनल पार्क में मरे 20 बाघ: इस साल प्रदेश के 4 टाइगर रिजर्वों में कुल 20 बाघों की मौत हुई है। इनमें सबसे अधिक 10 बाघ प्रदेश के बांधवगढ़ नेशनल पार्क में मरे। वहीं, कान्हा नेशनल पार्क में 5, पेंच में 4 और पन्ना नेशनल पार्क में एक बाघ की मौत हुई है। बाकी 15 बाघों की मौत प्रदेश के सामान्य वन मंडलों और सेंचुरी आदि क्षेत्रों में हुई है।

वन-टू-वन

क्रिकेटर भी इंसान , उन्हें भी होती है थकान : शास्त्री

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच कोच रवि शास्त्री ने टी20 विश्व कप से टीम इंडिया के बाहर होने के बाद कहा है कि क्रिकेटर भी इंसान हैं और उन्हें भी थकान होती है। शास्त्री ने कहा है कि अगर आने वाले समय में मानसिक थकान को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और सभी क्रिकेट बोर्ड कोई कोई कदम नहीं उठाते हैं तो इससे खेल पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। शास्त्री ने कहा कि ऐसे में कई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से पीछे हट सकते हैं। शास्त्री ने कहा, %मैं कोई बहाना नहीं बना रहा हूं पर हम करीब छह महीने से बायो बबल के घेरे में रह रहे हैं। हमें अगर आईपीएल और टी20 विश्व कप के बीच में अंतर मिला होता तो सही रहता। जो लोग खेल रहे हैं ये सभी इंसान हैं, ये लोग पेट्रोल पर नहीं चलते हैं। सबसे पहले मेरे दिमाग में आराम की बात आती है। मैं मानसिक रूप से थका हुआ हूं हालांकि मेरी उम्र में मैं ऐसा होने की उम्मीद करता हूं पर खिलाड़ी तक मानसिक और शारीरिक रूप से थके हुए हैं। उन्होंने कहा, हम हार स्वीकार करते हैं और हम हारने से नहीं डरते। जीतने की कोशिश करते हुए आप मैच हार सकते हैं लेकिन यहां हम जीतने का कोशिश भी नहीं कर पाये क्योंकि हमें एक्स फैक्टर की कमी खल रही थी। शास्त्री का मानना है कि नये मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के लिए सबसे अच्छी बात यह होगी कि उनके पास एक विश्व स्तर की टीम होगी जो बदलाव के दौर से गुजरने से कम से कम से कम चार साल दूर है। द्रविड़ के कार्यकाल की शुरुआत न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर टी20 और टेस्ट सीरीज के साथ होगी। शास्त्री ने कहा, % द्रविड़ के रूप में हमारे पास ऐसा व्यक्ति है जिसे विरासत में शानदार टीम मिलेगी और अपने स्तर और अनुभव के साथ वह आने वाले समय में स्तर को और बेहतर ही करेगा।

आरसीबी ने बांगर को बनाया नया मुख्य कोच

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने पूर्व क्रिकेटर संजय बांगर को टीम को नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। आरसीबी के क्रिकेट संचालन निदेशक माइक हेसन ने आईपीएल की ओर से जारी एक वीडियो में कहा कि अगले दो वर्षों के लिए बांगर टीम के मुख्य कोच रहेंगे। वहीं इससे पहले फरवरी में आरसीबी ने बांगर को बल्लेबाजी सलाहकार नियुक्त किया था और अब इस पूर्व क्रिकेटर को टीम के मुख्य कोच के रूप में पदोन्नत किया गया है। बांगर ने कहा, नीलामी से पहले ही हमने काम शुरु कर दिया है। मैं आरसीबी के प्रत्येक प्रशंसक को बताना चाहता हूं कि हम एक मजबूत टीम बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। वहीं इससे पहले साइमन कैटिच ने व्यक्तिगत कारणों से आईपीएल टीम के मुख्य कोच के रूप में पद छोड़ दिया था। इसके बाद आरसीबी ने हेसन को निदेशक बनाया था। हेसन ने ही 2021 सत्र में मुख्य कोच की भूमिका निभाई थी। बांगर के पास कोचिंग का अच्छा अनुभव है वह राष्ट्रीय टीम के साथ ही कई आईपीएल टीमों में कोचिंग से जुड़े रहे हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में नहीं हुआ बदलाव

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मंगलवार को कोई बदलाव नहीं हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन सरकारी तेल कंपनियों ने दाम में कोई बदलाव नहीं किया। हाल में केन्द्र सरकार की तरफ से आयात शुल्क में कटौती के बाद कई राज्यों ने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले वैट को कम किया है जिससे कीमतें गिरी हैं।कई राज्यों में पेट्रोल के भाव में 8 रुपये और डीजल के भाव में 9 रुपये की कटौती की गई है। उत्तराखंड में सबसे कम गिरावट दर्ज की गई है, जबकि लद्दाख में पेट्रोल-डीजल के दाम में सबसे अधिक कमी आई है। जम्मू-कश्मीर में पेट्रोल-डीजल पर अतिरिक्त 7 रुपये की कटौती की गई है। इस तरह अब जम्मू-कश्मीर में डीजल 17 रुपये सस्ता हो गया है और पेट्रोल 12 रुपये सस्ता हो गया है। देश की राजधानी दिल्ली में मंगलवार को पेट्रोल 103.97 रुपये प्रति लीटर और डीजल 86.67 रुपये प्रति लीटर है। इसी तरह मुंबई में 109.98 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.14 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल 104.67 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.79 रुपये प्रति लीटर है जबकि चेन्नई में पेट्रोल 101.40 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.43 रुपये प्रति लीटर हैं।

भारत ने डब्ल्यूटीओ से कहा मत्स्य पालन पर सब्सिडी का संशोधित मसौदा अब भी 'असंतुलित'

नई दिल्ली। भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) से कहा है कि मत्स्य पालन सब्सिडी पर संशोधित मसौदा अब भी असंतुलित है। डब्ल्यूटीओ के सदस्य देशों ने मंगलवार से संशोधित मसौदे पर प्रावधान-दर-प्रावधान विचार-विमर्श करना शुरू कर दिया है। नियमों पर वार्ताकार समूह के प्रमुख राजदूत सांतियागो विल्स ने प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों को मत्स्य पालन सब्सिडी पर संशोधित मसौदे की जानकारी दी है। सांतियागो विल्स ने कहा कि इस अंतिम चरण का मकसद मसौदे को पूर्ण रूप से स्पष्ट या जितना हो सके उतना स्पष्ट करना है। मंत्रियों को आगामी 12वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में सिर्फ एक या दो मुद्दों पर फैसला करना है। यह सम्मेलन 30 नवंबर से जिनेवा में शुरू हो रहा है। सूत्रों ने कहा कि संशोधित मसौदा अब भी असंतुलित है। भारत समय-समय पर कहता रहा है कि वह डब्ल्यूटीओ में मत्स्य पालन सब्सिडी के करार को अंतिम रूप देने का इच्छुक है, क्योंकि कई देशों द्वारा अत्यधिक मछलियां पकड़ने और तर्कहीन लाभों से घरेलू मछुआरों की आजीविका प्रभावित हो रही है।

आईसीसी टी20 विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में आज इंग्लैंड और न्यूजीलैंड में रोमांचक मुकाबले की संभावना

शाम 7.30 बजे शुरू होगा मैच

अबु धाबी। आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट के पहले सेमीफाइनल में बुधवार को इंग्लैंड का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। दोनो ही टीमें इस टूर्नामेंट में केवल एक-एक मैच ही हारी हैं, ऐसे में यह मुकाबला रोमांचक होना तय है। इस मुकाबले से ठीम पहले अपने स्टार खिलाड़ी जेसन रॉय के चोटिल होकर बाहर होने से इंग्लैंड को करारा झटका लगा है। रॉय ने 2019 एकदिवसीय विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए खिताबी मुकाबले में अहम भूमिका निभाई थी। इस टूर्नामेंट में भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दी है। इंग्लैंड की टीम इस टूर्नामेंट की शुरुआत से ही खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है और ऐसे में उसका लक्ष्य कीवी टीम को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाना रहेगा। टीम के पास बल्लेबाजी में कप्तान इयोन मोर्गन, जोस बटलर और जॉनी बेयरस्टॉ जैसे खिलाड़ी हैं पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने अंतिम सुपर 12 मुकाबले में जिस प्रकार टीम हारी है उससे कीवी खिलाड़ी उत्साहित होने के साथ ही इस मुकाबले में बढ़े हुए मनोबल से उतरेंगे।

इस मैच में सलामी बल्लेबाज रॉय के नहीं होने से बटलर के साथ बेयरस्टॉ पारी की शुरुआत कर सकते हैं। बटलर, बेयरस्टॉ और मोईन अली जैसे खिलाड़ियों पर अधिक जिम्मेदारी रहेगी। रॉय की जगह सैम बिलिंग्स को मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में अंतिम एकादश में रखा गया है। इंग्लैंड के लिए राहत की बात यह है कि उसके अधिकतर बल्लेबाजों ने इस टूर्नामेंट में अच्छी बल्लेबाजी की है और वे सेमीफाइनल के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

वहीं गेंदबाजी में मिल्स के नहीं होने से टीम की परेशानी बढ़ी है क्योंकि मिल्स डेथ ओवरों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। यह एक ऐसा क्षेत्र होगा जिसका किवी टीम लाभ उठाना चाहेगी। तेज गेंदबाज मार्क वुड के पास गति है पर मिल्स जैसी विविधता नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वुड ने काफी रन दिये थे। स्पिनर मोईन अली और आदिल राशिद इस मैच में अहम भूमिका निभा सकते है। इन दोने पर पावरप्ले और बीच के ओवरों में न्यूजीलैंड पर दबाव बनाये रखना रहेगा।

वहीं दूसरी ओर कप्तान केन विलियमसन की न्यूजीलैंड टीम अपनी जुझारु क्षमता के लिए जानी जाती है। टीम अंतिम क्षणों तक संघर्ष कर मैच का रुख पलटने में माहिर है। उसने कई आईसीसी टूर्नामेंटों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम की ताकत उसकी गेंदबाजी रही है। जिसके बल पर उसने भारतीय टीम को भी हराया था। कीवी टीम के पास

ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी जैसे तेज गेंदबाज है जिनका सामना करना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं होता। लॉकी फर्गुसन के चोटिल होने के कारण उनकी जगह आये एडम मिल्ने ने भी अच्छी गेंदबाजी की है। टीम के स्पिनर ईश सोढ़ी और मिशेल सेंटनर भी प्रभावी रहे हैं।

जेसन रॉय टी20 विश्वकप से बाहर हुए

दुबई। टी20 विश्व कप क्रिकेट के सेमीफाइनल में पहुंची इंग्लैंड टीम को करारा झटका लगा है। सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय चोटिल होने के कारण मुकाबले से पहले ही टीम से बाहर हो गये हैं। रॉय दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए सुपर-12 के अंतिम मुकाबले में चोटिल हो गए थे। रॉय जैसे स्टार बल्लेबाज का बाहर होना इंग्लैंड टीम के लिए करारा झटका है। रॉय से पहले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टाइमल मिल्स भी चोटग्रस्त होने के कारण ही इस टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे। ईसीबी के अनुसार रॉय की जगह पर जेम्स विंस को टीम में जगह मिली है। रॉय दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 20 रन बनाने के बाद ही पैर में चोट लगने के कारण मैदान से बाहर चले गये थे। इस बल्लेबाज ने कहा है कि टूर्नामेंट से बाहर होने के कारण वह निराश है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में रोहित होंगे कप्तान, विराट को मिलेगा आराम !

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) न्यूजीलैंड के खिलाफ 17 नवंबर से शुरु होने वाली टी20 और घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए रोहित शर्मा को टीम का कप्तान बना सकता है। वहीं विराट कोहली को इस दौरे में आराम दिया जा सकता है। इस दौरे के लिए टीम की घोषणा कभी भी हो सकती है। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के साथ तीन मैचों की टी20 सीरीज और दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इसमें रोहित भारतीय टी20 टीम की कमान संभाल सकते हैं। रोहित को इसके साथ ही न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच में भी कप्तान बनाया जा सकता है क्योंकि नियमित कप्तान विराट को पहले टेस्ट से आराम दिया जा सकता है। विराट ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह आईसीसी टी20 विश्व कप 2021 के बाद भारतीय टी20 टीम की कप्तानी छोड़ देंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार, विराट पहले टेस्ट से आराम ले रहे हैं और वह मुंबई में होने वाले दूसरे टेस्ट में वापसी करेंगे। कोहली को साथ ही न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से भी आराम दिया जाएगा। टेस्ट टीम में मौजूदा उपकप्तान अजिंक्य रहाणे अपने पद पर बने रहेंगे जबकि लोकश राहुल टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम के उपकप्तान होंगे। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ जयपुर, रांची और कोलकाता में तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इसके बाद वो कानपुर और मुंबई में दो टेस्ट मैचों की मेजबानी करेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को आराम दिया जा सकता है।

विराट को एकदिवसीय और टेस्ट प्रारुप में कप्तान बने रहना चाहियेः सहवाग

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने कहा है कि कप्तान विराट कोहली को एकदिवसीय और टेस्ट प्रारुप में कप्तान बने रहना चाहिये। वहीं विराट ने टी20 विश्व कप से पहले कहा था कि वह विश्व कप के बाद इस प्रारुप में कप्तान नहीं रहेंगे। इस पर एक प्रशंसक ने पूछा था कि क्या विराट को अब एकदिवसीय और टेस्ट में भी कप्तानी छोड़ देनी चाहिये ? इसी प्रर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इस पर सहवाग ने कहा, 'यह विराट का फैसला है पर मुझे नहीं लगता कि उन्हें बाकी दो प्रारूपों की कप्तानी छोड़नी चाहिए। अगर वह सिर्फ एक खिलाड़ी के रूप में खेलना चाहते हैं तो यह उनका फैसला है। मुझे लगता है कि उनकी कप्तानी में भारत अच्छा खेल रहा है और एक कप्तान के रूप में उनका रिकॉर्ड शानदार है।'

उन्होंने आगे कहा, 'वह एक अच्छे खिलाड़ी हैं, एक आक्रामक कप्तान हैं और सामने से नेतृत्व करते हैं। मैं दोहराता हूं कि एकदिवसीय और टेस्ट में कप्तानी छोड़ना या न छोड़ना उनका निजी फैसला होना चाहिए।' इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि आईसीसी टूर्नामेंटों में टीम के खराब प्रदर्शन पर आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है। सहवाग ने कहा, 'मुझे पता है कि हमें खराब समय में टीम का समर्थन करना चाहिए, लेकिन काफी समय हो गया है कि हमने कोई बड़ा आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीता है। भारत को निश्चित रूप से इस पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। गौरतलब है कि टीम इंडिया के टी20 अंतरराष्ट्रीय के कप्तान के रूप में विराट का कार्यकाल सोमवार को नामीबिया के साथ हुए मैच के साथ ही समाप्त हो गया। विश्व कप में भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह सेमीफाइनल तक भी नहीं पहुंच पायी।

ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर की डिलीवरी जल्द ही : सीईओ

नई दिल्ली। कैब आधारित टैक्सी सेवा प्रदाता कंपनी ओला एग्रीगेटर से टू-व्हीलर वाहन निर्माता कंपनी बनी ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के इलेक्ट्रक स्कूटर ने सड़क पर आने से पहले ही दोपहिया शौकीनों को जमकर लुभाया। स्कूटर की अभी तक डिलीवरी नहीं हुई है। लेकिन अब इसका इंतजार जल्द खत्म होने वाला है। ओला के सीईओ भाविश अग्रवाल ने एक वीडियो जारी करते हुए ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर को लेकर कई खुलासे किए हैं। भाविश अग्रवाल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में भाविश ने ओला के दो स्कूटरों को स्टंट करते हुए दिखाया है। वीडियो में ओलाएस1 इलेक्ट्रिक स्कूटर को ऊंची छलांग लगाते, पहियों पर खड़े हो जाने और अन्य करतब करते देखा जा सकता है। भाविश ने अपने ट्विटर पोस्ट में स्कूटर की टेस्ट ड्राइविंग और डिलीवरी के बारे में भी खुलासा किया है। उन्होंने लिखा है- 'ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर की टेस्ट ड्राइव आने वाले हफ्ते में शुरू हो जाएगी और इसकी पहली डिलीवरी भी जल्द ही की जाएगी।' ओला इलेक्ट्रिक ने सितंबर में अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर एस1 की बिक्री की प्रक्रिया शुरू की थी। औला इलेक्ट्रिक स्कूटर के दो मॉडल ओला एस1 और ओला एस1 प्रो लॉन्च किए गए हैं। ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर की बिक्री फिलहाल ओला एप के माध्यम से की जा रही है। अगस्त में इन स्कूटरों की बुकिंग शुरू की गई थी। कंपनी ने महज 499 रुपए में ओला इलेक्ट्रिक स्कूटरों की बुकिंग शुरू की थी। बुकिंग पर ही लोगों का काफी अच्छा रुझान देखने को मिला था। महज 24 घंटे के अंदर 1 लाख से ज्यादा स्कूटरों की बुकिंग हो गई थी। इसके बाद कंपनी ने 15 और 16 सितंबर को इन स्कूटरों की बिक्री शुरू की थी। खरीद के लिए 20,000 रुपए की डाउन पेमेंट रख थी। बिक्री के दौरान भी कंपनी ने महज दो दिन के भीतर 1100 करोड़ रुपए स्कूटर बेच डाले। एक बार फिर ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर की सेल शुरू होने जा रही है। इसके साथ ही कंपनी ने स्कूटर के लिए पेमेंट प्लान भी जारी कर दिया है।

दुपहिया वाहन निर्माता कंपनी टीवीएस मोटर्स भी बनाएगी इलेक्ट्रिक व्हीकल

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स के बाद देश की प्रमुख दुपहिया वाहन निर्माता कंपनी टीवीएस मोटर्स भी इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) बनाने की दौड़ में शामिल हो गई है। सूत्रों के अनुसार कंपनी इलेक्ट्रिक वाहनों के कारोबार के लिए निवेशकों से पैसे जुटाने की संभावना का मूल्यांकन कर रही है। उल्लेखनीय है कि इसके पहले टाटा मोटर्स ने अपने ईवी बिजनेस के लिए टीपीजी राइज क्लाइमेट और अबूधाबी के एडीक्यू के बीच मिले कंसोर्सियम से एक अरब डॉलर जुटाने का ऐलान किया था। टीवीएस मोटर कंपनी के बोर्ड आफ डायरेक्टर्स ने 21 अक्टूबर को कंपनी के इलेक्ट्रिक व्हीकल कारोबार के लिए एक नई इकाई या शाखा बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस मामले से जुड़े सूत्र ने बताया कि टीवीएस मोटर कंपनी ने इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार के लिए सब्सिडियरी बनाने के बाद इसके लिए फंड जुटाने पर काम शुरु कर दिया है और इसके लिए इंवेस्टमेंट बैंकों के साथ शुरुआती बातचीत शुरू हो गई है।

एक अन्य स्रोत ने बताया कि निजी इक्विटी निवेशकों से इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार के लिए पैसे जुटाने के लिए हो रही बातचीत अभी प्रारंभिक अवस्था में है। डील के समय और इसके आकार पर अभी कोई फाइनल निर्णय नहीं लिया गया है। अब तक की जानकारी के मुताबिक कंपनी इसके लिए किसी अच्छे प्राइवेट इक्विटी फंड से भागीदारी करार के लिए तैयार है। कंपनी इस तरीके से 50 करोड़ डॉलर से लेकर एक अरब डॉलर तक जुटा सकती है।

एक दूसरे सूत्र के मुताबिक कंपनी ईवी कारोबार के लिए फंड जुटाने की तैयारी में है, लेकिन अभी यह योजना अपने प्रारंभिक स्तर पर ही है। अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि यह प्रक्रिया अगले 6 से 12 महीनों में औपचारिक रूप से शुरू हो पाएगी या नहीं। टीवीएस मोटर ने सरकार के कॉर्बन इमीशन को कम करने के लिए ईवी को प्रोत्साहित करने की योजना को ध्यान में रखते हुए इसके लिए एक अलग शाखा बनाई है। सरकार की योजना है कि देश में 2030 तक 30 फीसदी निजी कारें, 70 फीसदी कमर्शियल व्हीकल और 80 फीसदी दुपहिया और तिपहिया वाहन ईवी टेक्नोलॉजी पर आधारित होने चाहिए।

आरबीआई ने महाराष्ट्र के बाबाजी दाते महिला सहकारी बैंक पर कारोबारी पाबंदियां लगाई

-ग्राहक अब नहीं निकाल सकेंगे 5,000 से अधिक रकम

नई दिल्ली। देश के बैंकों की शीर्ष नियामक संस्था भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महाराष्ट्र के बाबाजी दाते महिला सहकारी बैंक पर कारोबारी पाबंदियां लगा दी। इसके अलावा ग्राहकों पर भी 5,000 रुपए से अधिक की निकासी पर रोक लगाई गई है। आरबीआई ने पिछले कुछ समय से सहकारी बैंकों के खिलाफ लगातार कठोर नीति अपनाया हुआ है। आरबीआई ने कहा कि पाबंदियों के लागू होने बाद, बैंक 8 नवंबर 2021 को अपना कारोबार खत्म होने के बाद से नए लोन नहीं जारी कर सकता है और न ही आरबीआई की पूर्व मंजूरी लिए बिना कोई नई जमा राशि स्वीकार कर सकता है। साथ ही कोई भी जमाकर्ता अपने खाते से 5,000 रुपए से अधिक राशि नहीं निकाल सकता है।

आरबीआई ने एक बयान में कहा, बैंक की मौजूदा लिक्विडिटी स्थिति को देखते हुए, सभी बचत खातों, चालू खातों या जमाकर्ताओं के किसी भी दूसरे खाते से कुल राशि में से 5,000 रुपए से अधिक की राशि निकालने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। हालांकि जिन ग्राहकों के खाते से लोन की किस्त कटती हैं, उन्हें शर्तों के तहत इसके सेटलमेंट की इजाजत दी जा सकती है। आरबीआई ने यह भी कहा कि उसकी पाबंदियों को बैंकिंग लाइसेंस रद्द होने के रूप में नहीं देखा चाना चाहिए। आरबीआई ने कहा कि बैंक अपनी वित्तीय सेहत में सुधार होने तक पाबंदियों के साथ बैंकिंग कारोबार करना जारी रखेगा। साथ ही, रिजर्व बैंक परिस्थितियों के आधार पर समय-समय पर इन निर्देशों में संशोधन पर विचार कर सकता है। आरबीआई ने कहा कि ये पाबंदियां 8 नवंबर, 2021 को कारोबार बंद होने से 6 महीने की अवधि के लिए लागू रहेंगे। करीब दो हफ्ते आरबीआई ने महाराष्ट्र के वसई विकास सहकारी बैंक पर कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने पर 90 लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। वहीं करीब एक महीने आरबीआई ने मुंबई के अपना सहकारी बैंक पर 79 लाख रुपए का जुर्माना लगाया था।

एयर इंडिया के टाटा के पास जाने से पहले वर्तमान प्रबंधन बकाए का निपटान करेगा : आईपीजी

मुंबई। देश की सार्वजनिक क्षेत्र की हवाई कंपनी एयर इंडिया अब निजी क्षेत्र के औद्योगिक समूह टाटा के की हो गई है। उधर, पायलट यूनियनों में से एक- इंडियन पायलट गिल्ड (आईपीजी) ने उम्मीद जताई है कि निवर्तमान प्रबंधन यह सुनिश्चित करेगा कि विमानन कंपनी के नए मालिक टाटा संस के पास जाने से पहले कर्मचारियों के बकाया निपटान की प्रक्रिया को सही ढंग से पूरा कर लिया जाएगा। एयर इंडिया के सीएमडी को लिखे एक पत्र में गिल्ड ने रविवार को कहा कि वह विमानन कंपनी के नए मालिकों के साथ एक नई शुरुआत करने को लेकर 'आशावादी' हैं। पत्र में साथ ही मौजूदा प्रबंधन से कर्मचारियों का 'शोषण' नहीं करने का आग्रह किया गया। गिल्ड ने कहा कि शोषण की स्थिति में बड़े पैमाने पर विरोध और औद्योगिक अशांति के हालात बन सकते हैं। आईपीजी के अनुसार 2006 के वेतन समझौते के तहत कैप्टन और सह-पायलटों के लिए मासिक लेओवर सब्सिस्टेंस अलाउंस (एलएसए) का प्रावधान किया गया था। इन वर्षों में इस राशि का 25 प्रतिशत को रोक दिया गया, जो अभी भी बकाया है। गिल्ड ने कहा कि इसके अलावा इस वेतन समझौते के तहत ओवरटाइम भुगतान भी लंबे समय से रुका हुआ है। साथ ही 2012 में सभी कर्मचारियों पर गलत और एकतरफा तरीके से 25 प्रतिशत वेतन कटौती लागू की गई थी। पिछले महीने के अंत में केंद्र सरकार ने एयर इंडिया को 18,000 करोड़ रुपए में टाटा संस के हाथों बेचने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

नशे में धुत्त ड्रॉईवर ने ली युवक की जान
युवक को ट्रेक्टर ने रौंदा कई टुकड़े हुये, मौत

रोटोबेटर में फंसे मृतक युवक के टुकड़े रमपुरा से देवरी तक टपके

भिण्ड। मंगलवार की दोपहर जब एस.डी.ओ.पी लहार अवनीश बंसल को किसी व्यक्ति का फोन आया कि देवरी के पास किसी अज्ञात व्यक्ति के लाश के टुकड़े डले है सूचना की तस्तीक करते हुए तुरन्त एस.डी.ओ.पी अवनीश बंसल,थाना प्रभारी दबोह प्रमोद साहू, थाना प्रभारी रावतपुरा क्रांति राजपूत मौके पर पहुँचे तो पता लगा कि मृतक युवक पन्नालाल यादव उम्र 65 बर्ष जो लहार थाना क्षेत्र के चंदावली नम्बर 2 का निबासी है और रमपुरा में अपनी बहन की खेती करबाने के लिए गया हुआ था। जहां ट्रेक्टर जलालपुरा थाना असवार का बताया जा रहा था। मृतक युवक के परिजन सिचाई बिभाग सदस्य गुट्टी यादव ने बताया कि मेरा भाई पन्नालाल यादव अपनी बहन की खेती जलालपुरा के युवक के ट्रेक्टर से रोटोबेटर से करबा रहा था जिसमे मृतक युवक का पंचा उसमें फंस गया पर ड्रॉयवर नशे में धुत्त था तो उसने मृतक युवक की चीख पुकार नही सुनी जब पास खड़े मृतक के परिजन ने आबाज दी तब जाकर कहीं ड्रॉयवर ने पलट कर देखा तब तक मृतक के शरीर के परखच्चे उड़ चुके थे जिससे हड़बड़ा कर ड्रॉयवर ने ट्रेक्टर रमपुरा से भगाया जिसमे से शरीर के टुकड़े टपकते रहे जो देवरी में युवकों ने पकड़ लिया पर ड्रॉईवर भागने में सफल रहा जिसपर मृतक की बहिन की फरियाद पर रावतपुरा थाने में मर्ग कायम कर मामला बिबेचना में लिया गया है।

इनका कहना है:

अज्ञात युवक की सूचना पर तस्तीक कर मृतक की पहचान की गई मामले की विवेचना में जो भी तथ्य आएंगे उनके हिसाब से आगामी कार्यबाही की जायेगी।

अवनीश बंसल एस.डी.ओ.पी लहार

नवविवाहिता ने अज्ञात कारणों के चलते लगाई फांसी

भिण्ड। अटेर थाना क्षेत्र के ग्राम बघेलन का पुरा में एक नवविवाहिता फांसी के फंदे पर झूलकर जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना के दूसरे दिन पुलिस को खबर लगी। पुलिस ने जब परिजनों से नवविवाहिता की मौत की देरी से खबर देने का कारण पूछा, तब परिजनों ने बताया कि मृतका का पिता फौज में है, जिसने स्पष्ट तौर पर ससुरालियों से कहा दिया था कि जब तक मैं न आ जाऊं तब तक पुलिस भी नहीं आएगी। वहीं पति भी फौजी है जोकि जंबू में पदस्थ है। फ्लाइट मिस हो गई। मौत के दो दिन बाद शव का पीएम पुलिस कराएगी। अटेर थाना में पदस्थ एसआई अतुल सिंह भदौरिया के मुताबिक चौसढ़, फूप की रहने वाली करिश्मा (22) की शादी मई महीने में बघेलन का पुरा में रहने वाली राजीव से हुई थी। शादी के बाद विवाहिता ग्वालियर में मां और भाई-बहनों के साथ चार शहर का नाका पर रह रही थी। यहां विवाहिता प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। शादी के बाद पहली दिवाली मनाने के लिए ससुराल करिश्मा को बुलाया गया था। ससुराल में 60 वर्षीय सास और एक ननद ही रहती थी। करिश्मा ने घर के अंदर ही फंदा लगाकर फांसी लगा ली। बहू को फंदे पर लटका हुआ सास व ननद को देखा तो उन्होंने जंबू में तैनात राजीव को सूचना दी। इसके बाद मृतिका के पिता को बताया। मृतिका के पिता हरिद्वार में पदस्थ था। वहां से वो बेटी के ससुराल पहुंचे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी।

मोबाइल पर अटकी पुलिस की जांच

नवविवाहिता, ग्वालियर में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करती आ रही थी। शादी के बाद ससुराल नहीं रह रही थी। दिवाली पर ससुराल आई थी। आत्महत्या के मामले में मोबाइल को लेकर पुलिस की जांच अटक गई है। पुलिस पूरे मामले में मृतिका के मोबाइल की तलाश कर रही है। मृतिका के पिता ने अब तक पुलिस को मोबाइल फोन उपलब्ध नहीं कराया। पुलिस के जांच अधिकारी के मुताबिक मोबाइल नंबर की जांच के बाद आत्महत्या की असली वजह सामने आ सकती है।

संक्षिप्त समाचार

मदद के नाम पर बीस हजार की ठगी

गोहद । नगर के बार्ड क्रमांक 1 छतर पुरा निवासी आशाराम पुत्र ख्यालीराम माहौर को मदद करना महंगा पड़ा यह शौक उन्हें एक या दो रुपये नही वरन पूरे बीस हजार की चपत लगी नगर के मंडी तिराहा स्थित पंजाब नेशनल बैक में आशाराम अपने एकाउंट में 20 हजार रुपये निकालने आये थे जब वो बैक के अंदर पहुचे ओर रुपये निकालकर काउंटर से मुड़े इसी बीच दो लड़के उनके पास आये और बोले कि मेरे पास डेढ लाख रुपये है जिन्हें हमे जमा करना है हम पहली बार बेक आये है हमारी पर्ची भर दो आशाराम उन लड़कों से बात करते करते बैंक के बाहर आ गए फिर लड़के बोले कि तब तक हमारे रुपये गिन लो और उन्होंने रुमाल में लिपडे हुये कुछ दे दिया गिनने के लिए रूमाल बंधी गठान के खोलने के चक्कर में आशाराम ने अपनी रकम बीस हजार रुपये लड़को को पकड़ा दी आशाराम रुमाल की गठान ही खोलते रहे । इसके बाद लड़के रफूचक्कर हो गए खबर लिखे जाने तक पुलिस धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर रही पुलिस बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालकर लड़को की तलाश लग गई है।

महिला ने फांसी लगाकर दी जान

भिण्ड। अटेर थाना क्षेत्र के ग्राम बघेलन का पुरा रोंदा में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह 10.30 बजे करिश्मा देवी पत्नी राजीव बघेल उम्र 22 वर्ष निवासी बघेलन का पुरा रौंदा ने किसी अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

महिला ने कराया ससुराल पक्ष पर दहेज का मामला दर्ज

भिण्ड। महिला थाने में एक विवाहिता ने ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए एक शिकायती आवेदन दिया है जिसकी पुलिस ने जांच उपरांत ससुराल पक्ष पर दहेज एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार देवी पत्नी श्याम नरवरिया उम्र 26 वर्ष निवासी श्रीराम गली पुरानी बस्ती ने बताया विगत 6 वर्ष से उसके ससुराल पक्ष के लोग दहेज को लेकर उसे प्रताड़ित कर रहे थे, इसलिए थाने में आकर शिकायत की, पुलिस ने मामले की जांच उपरांत पति श्यामसिंह नरवरिया, ससुर गुरुदयाल नरवरिया, सास विद्यावती, जेठ मुकेश नरवरिया, निवासीगण रामवक्स का पुरा ग्राम सांठो पोरसा के विरुद्ध दहेज एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

हारजीत का दांव लगाते हुए 11 जुआरी गिरफ्तार

भिण्ड। मेहगांव थाना क्षेत्र के तीन जगह अलग-अलग जुए के फड संचालित हो रहे थे, जिसकी सूचना मुखबिर जरिए मिलते ही जुआ फड की घेराबंदी करते हुए 11 जुआरियों को हिरासत में लिया और उनके पास से 3 ताश की गड्डी सहित नगदी जब्त की। पुलिस के अनुसार सोमवार सुबह 4.15 बजे गल्ला मंडी में बृजेश कुशवाह, घनश्याम कुशवाह, उमेश राठौर, राहुल कुशवाह निवासी पचेरा दबोच लिया और उनके पास से एक ताश की गड्डी सहित 3 हजार 760 रुपये की नगदी जब्त की। इसी तरह पंचायत भवन के पीछे ग्राम पचेरा में विजयसिंह कुशवाह, संकेतसिंह कुशवाह, राजेशसिंह कुशवाह, दीवानसिंह कुशवाह को हिरासत में लिया और उनके पास से एक ताश की गड्डी सहित 4 हजार 20 रुपये की जब्ती की। उधर नहर की पुलिया के पास से अशोक कुशवाह, रवि कुशवाह, विश्नाथ ओझा ग्राम पचेरा को हिरासत में लिया और उनके पास से एक ताश की गड्डी सहित 4 हजार 210 रुपये की जब्ती की। पुलिस ने उक्त जुआरियों के विरुद्ध जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

ग्राम आलेरी से अज्ञात चारे ले उड़े अनाज के 22 कट्टे

भिण्ड। गोहद थाना क्षेत्र के ग्राम आलोरी में एक किसान के घर से अनाज के 22 कट्टे चोरी हो गये, जिसकी शिकायत फरियादी ने थाने पहुंचकर संदेही युवक के विरुद्ध दर्ज करायी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार सोनेराम पुत्र जगदीश कुशवाह निवासी आलेरी ने बताया विगत 22 नवम्बर रात 11 बजे उसके घर से किसी ने 22 कट्टे प्लास्टिक के अनाज के कट्टे चोरी कर लिये। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात चोर के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

डंपर ने बाइक में मारी टक्कर, महिला की मौत

भिण्ड। मालनपुर थाना क्षेत्र के हरीराम कुईया के पास होते हुए एक युवक अपनी पत्नी को लेकर बाइक से जा रहा था, इसी दौरान एक अज्ञात डंपर चालक ने लापरवाही से चलाते हुए टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार योगेन्द्र पुत्र रामकरण उपाध्याय निवासी शेरपुरा थाना एंडोरी ने बताया उसका लड़का बाइक से बहू को लेकर क्षेत्र के हरिराम कुईया के पास से सोमवार शाम 4.30 बजे गुजर रहा था।

ग्राम बैसपुरा लहार में वृहद विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर सम्पन्न

भिण्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार अखिल भारतीय जागरूकता और आउटरीच कार्यक्रम के संबंध में 2 अक्टूबर से 14 नवम्बर 2021 तक ''आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम'' के अंतर्गत चलाये जा रहे जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत् प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड अक्षय कुमार द्विवेदी के आदेशानुसार एवं जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड सुनील दण्डौतिया के मार्गदर्शन में लहार क्षेत्र के ग्राम बैसपुरा में वृहद विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड सुनील दण्डौतिया, जिला न्यायाधीश लहार आशीष कुमार मिश्रा,, जिला न्यायाधीश लहार आसिफ अहमद अब्बासी, राजकुमार भद्रसेन, श्रीमती संघप्रिया भद्रसेन, भूपेन्द्र सिंह, जयदीप मौर्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लहार, जिला विधिक सहायता अधिकारी भिण्ड देवेश शर्मा,

विकास विरथरे एड0 लहार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लहार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत लहार, तहसीलदार लहार एवं शासन के अन्य अधिकारीगण एवं ग्राम बैसपुरा तथा उसके समीपवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों का जनसमुदाय भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का स्वागत दीपक मेहता, नाथू सरपंच, भारत सिंह, प्रमोद शर्मा, सरजीत सिंह, महेन्द्र भदौरिया, लोकेन्द्र परिहार, विशाल दीक्षित पीएलव्ही एवं अन्य के द्वारा स्वागत एवं संचालन डॉ. जे0पी0 बघेल प्राचार्य बैसपुरा के द्वारा किया गया। उक्त वृहद शिविर में शासन के विभिन्न विभागों के द्वारा प्रथक-प्रथक स्टॉल लगाये गये तथा स्टॉल के माध्यम से पात्र हितग्राहीओं को पेशन कार्ड, कर्मकार कार्ड एवं कृषि विभाग के द्वारा आमजनों को बीज के पैकेट तथा पौधे वितरण कराये गये। उक्त कार्यक्रम में लगभग 2000 जनसमुदाय उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त सम्मानीय न्यायाधीशगण के द्वारा कानूनी जानकारी के अतिरिक्त, निःशुल्क विधिक सहायता, मध्यस्थता, लोक अदालत, म0प्र0 अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, 2015 एवं अन्य शासन की योजनाओं के संबंधम में विस्तार से जानकारी दी गई।

गणेश मंदिर पर रोटी बैंक ने गरीब असहाय लोगों को वितरण किये कंबल

भिण्ड। जिले में चलायी जा रही रोटी बैंक संस्था जो विगत वर्षो से गरीबों के लिए मसीहा बनकर काम कर रही है, सर्दी के समय आते ही गरीबों को ठंड से बचने हर वर्ष कंबल वितरण करती है वहीं गरीब व असहाय लोगों को दोनों वक्त भोजन भी उपलब्ध कराती है। इसी के तहत मंगलवार को गौरी सरोवर पर स्थित गणेश मंदिर के पास रोटी बैंक की श्रीमित मिथलेश शर्मा के द्वारा सभी साधू संतों एवं असहाय लोगों को कंबल वितरण किये गये, क्योंकि सर्दी का मौसम शुरु हो गया है और गरीब बहुत परेशान होगे, इसलए उनकी परेशानियों को समझते हुए यह कदम उठाया गया है रोटी बैंक के सदस्य बबलू सिंधी ने बताया कि रोटी बैंक पर पिछले 5 साल से प्रतिदिन भूखे एवं असहाय लोगो को निशुल्क भोजन कराया जाता है अब सर्दी की शुरुआत हो गई है इसलिए हम लोग सभी बुजुर्गो को कम्बल वितरित कर रहे हैं। इस मौके पर श्रीमती भारती भारद्वाज, अनिल शर्मा, अक्षय भारद्वाज, शरद भारद्वाज, पंकज मेहरोत्रा, दीपक चावला, अपूर्व श्रीवास्तव, अशोक अग्रवाल, बबलू सिंधी आदि सदस्य लोग उपस्थित रहे।

न्यायालयीन प्रकरणों के निर्णयों पर अमल की अभिनव पहल.. लोक निर्माण विभाग ने बनाया पोर्टल

भिण्ड । उच्चतम एवं उच्च न्यायालयों द्वारा पारित निर्णय और आदेशों पर समय-सीमा पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए, लोक निर्माण विभाग द्वारा अभिनव पहल की गई है। विभाग के सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा उच्च/उच्चतम न्यायालयों में दर्ज याचिकाओं तथा पारित आदेशों की जानकारी 30 नवम्बर 2021 तक विभाग के पोर्टल पर दर्ज करा सकेंगे। इससे न्यायालयों द्वारा पारित आदेशों पर विभाग समय-सीमा में पालन सुनिश्चित कर सकेगा।

प्रेमिका से मिलने की तड़प ने बना दिया अपराधी

भिण्ड। गोहद थाना के वार्ड क्रमांक 2 पंचम नगर निवासी सन्दीप पुत्र सुरेंद्र कुशवाह अपनी प्रेमिका के प्यार में इतना पागल हो गया कि वो गुड़गांव हरियाणा में रहने वाली प्रेमिका से मिलने की तड़प ने अपराध का रास्ता चुन लिया और स्वयं घर से गायब हो गया तथा अपने ही मोबाइल नम्बर से अपने पिता को मैजिक एप वोइस चेंजर अपनी आवाज बदल कर फोन कर फिरौती की मांग कर दी जब मामला पुलिस के संज्ञान में आया तो मामले का पर्दाफाश हो गया 6 नवम्बर को श्रीमती सरोज पत्नी सुरेंद्र कुशवाह निवासी पंचमपुरा बार्ड 2 गोहद ने रिपोर्ट की कि मेरा लड़का सन्दीप कुशवाह शाम 6 बजे बिना बताए घर से चला गया है पुलिस ने सूचना पर गुम इंसान का मामला दर्ज कर जांच में ले लिया इसी बीच सुरेंद्र कुशवाह के मोबाइल पर सन्दीप के मोबाइल से 2लाख 50हजार की फिरौती की मांग की गई जिसे पुलिस ने गम्भीरता से लिया तथा टीआई गोपाल सिकरवार की अगुवाई में टीम का गठन किया जिसमें उपनिरीक्षक महेंद्र धाकड़ प्रधान आरक्षक महेश आरक्षक राहुल साइबर सेल भिंड आरक्षक धर्मेंद्र तोमर , आरक्षक गुड्डू तोमर को शामिल किया गया।

ग्वालियर चम्बल सम्भाग हमारा घर : तोमर

जनसेवा में अग्रणी केंद्र व राज्य सरकारः सिंधिया

गोहद में ऑक्सीजन प्लांट का शुभारंभ

गोहद। कोरोना महामारी के दौरान जिस दौर से हम और आप गुजरे भविष्य में इनका सामना न करना पड़े इसके लिए हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वास्थ्य सुविधाओं में काफी इजाफा हुआ अंतरराष्ट्रीय स्तर में हमारी व्यवस्थाओं का लोहा माना इतने कम समय मे देश मे ही कोरोना वेक्सीन का निर्माण करना तथा 100करोड़ से अधिक जनता का टीकाकरण होना बहुत बड़ी उपलब्धि है उक्त विचार केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने गोहद सिविल अस्पताल में कृषक फाउंडेशन द्वारा सीएसआर फंड से प्रदाय 200 लीटर प्रति छमता पीएसए आधारित ऑक्सीजन उत्पाद संयंत्र का वर्चुअल उदघाटन किया कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने की मंच पर विधायक मेवाराम पूर्व विधायक रणवीर जाटव भाजपा जिलाध्यक्ष नाथूसिंह गुर्जर, सीएमएचओ, एसडीएम शुभम शर्मा, बीएमओ आलोक शर्मा ,अजय पाटिल उपस्थित थे।

गोहद अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट उदघाटन के वर्चुअल समारोह को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि कोरोना महामारी के समय केंद्र व राज्य सरकार द्वारा हर व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुचाने का भरपूर प्रयास किया ग्वालियर चम्बल सम्भाग में ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना होने से भविष्य में ऑक्सीजन की कमी का सामना नही करना पड़ेगा उन्होंने कहा कि कोविड वेक्सीन हमारा सुरक्षा कवच है हमे गर्व है कि हमारा प्रदेश टीकाकरण में अग्रणी पन्ति में उन्होंने टीका लगवाने की अपील की।

आजादी के अमृत महोत्सव में उप जेल मेहगांव में विधिक जागरूकता शिविर

भिण्ड। बीते सोमवार को उप जेल में गांव में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में अक्षय कुमार द्विवेदी प्रधान जिला न्यायाधीश/ अध्यक्ष महोदय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिंड के मार्गदर्शन में अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति मेहगांव अशोक गुप्ता अपर जिला न्यायाधीश ने उप जेल में हगांव में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया उनके साथ कल्पना कोतवाल व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 2 मेहगांव भी उपस्थित रही। अशोक गुप्ता अपर जिला न्यायाधीश में हगांव ने अपने उद्बोधन में व्यक्त किया कि बंदियों को सारगर्भित एवं आवश्यक विधिक जानकारी से अवगत कराया और विभिन्न स्थानीय अधिनियम के संबंध में विस्तार से समझाया एवं साथ ही प्ली बारगेनिंग के लाभ के संबंध में एवं बंदियों के अधिकार के विषय पर भी वक्तव्य दिया कल्पना कोतवाल व्यवहार न्यायाधीश वर्ग दो महिलाओं ने विधिक सहायता के अंतर्गत निशुल्क विधिक सहायता के अंतर्गत मिलने वाली सहायता के बारे में विस्तार से जानकारी दी रामनिवास भदोरिया पूर्व सचिव अभिभाषक संघ द्वारा व्यक्त किया कि सभी के लिए कानून का पालन करना अनिवार्य है कानून के उल्लंघन के कारण ही आप लोग आज यहां बैठे हैं कानून का उल्लंघन किसी भी परिस्थिति में नहीं करना चाहिए क्योंकि विधि की भूल में नहीं है सभी को अपने जानमाल एवं सम्मान की प्रतिरक्षा का अधिकार है लेकिन कानून के दायरे में रहकर ही उक्त शिविर में शिविर में जेल जेल स्टाफ विचाराधीन बंदी सजायाफ्ता बंदी उपस्थित रहे एवं साथ ही रामगोपाल पाल, उपजेल अधीक्षक द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

भाजपा: चुनाव की चुनौती

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक अब लगभग दो साल बाद हुई, जबकि उसे हर तीसरे महिने होनी चाहिए थी। उसे नहीं करने का बहाना यह बनाया गया कि कोरोना महामारी के दौरान उसके सैकड़ों सदस्य एक जगह कैसे इकट्ठे होते? एक जगह इकट्ठे होने के इस तर्क में कुछ दम नहीं है, क्योंकि जैसे अभी आडवाणीजी, जोशीजी और कई मुख्यमंत्रियों ने घर बैठे उस बैठक में भाग ले लिया, वैसे ही सारे सदस्य ले सकते थे। लेकिन अब आनन-फानन यह बैठक कुछ घंटों के लिए बुलाई गई, यह बताता है कि हाल ही में हुए उप-चुनावों ने भाजपा में चिंता पैदा कर दी है। यह कोई संयोग मात्र नहीं है कि नरेंद्र मोदी इतनी ठंड में गर्म कपड़े लादकर केदारनाथ गए और वेटिकन में जाकर पोप से गल-मिलव्वल करते रहे। इन तीनों घटनाओं– कार्यकारिणी की बैठक, पोप से गल-मिलव्वल और केदारनाथ की प्रचारपूर्ण यात्रा– का सीधा संबंध पांच राज्यों के आगामी चुनावों से है। उत्तरप्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर के चुनाव अगले कुछ माह में ही होनेवाले हैं। पोप से भेंट गोवा और मणिपुर के ईसाई वोटरों को फुसलाए बिना नहीं रहेगी और केदारनाथ-यात्रा का असर उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड के मतदाताओं पर पड़े बिना नहीं रहेगा। मोदी का यह कदम सामयिक और सार्थक है, क्योंकि राजनीति में वोट और नोट– ये ही दो बड़े सत्य हैं। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी को खास तौर से दिल्ली बुलाकर असाधारण महत्व इसीलिए दिया गया है कि यदि उ.प्र. हाथ से खिसक गया तो दिल्ली की कुर्सी भी हिलने लगेगी। खुद गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि यदि आप 2024 में मोदी को दिल्ली में तिबारा लाना चाहते हैं तो पहले योगी को लखनऊ में दुबारा लाकर दिखाइए। कार्यसमिति की इस बैठक में सभी वक्ताओं ने पिछले दो साल की सरकार की उपलब्धियों पर अपने-अपने ढंग से प्रकाश डाला। किसी भी वक्ता ने यह नहीं बताया कि सरकार कहां-कहां चूक गई? सभी मुद्दों पर खुली बहस का सवाल तो उठता ही नहीं है। कांग्रेस हो या भाजपा, इन दोनों महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पार्टियों में आंतरिक बहस खुलकर होती रहे तो भारतीय लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी। भाजपा सरकार के मंत्रियों और कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों ने भी कोरोना महामारी के दौरान काफी लगन से काम किया, केंद्र सरकार ने कमजोरों की मदद के भी कई उपाय किए लेकिन विदेश नीति और अर्थ नीति के मामलों में कई गच्चे भी खाए। इन सभी मुद्दों पर दो-टूक बहस के बजाय भाजपा कार्यकारिणी ने अपना सारा जोर पांच राज्यों के आसन्न चुनावों पर लगा दिया। यह जरुरी है लेकिन इससे भी ज्यादा जरुरी यह था कि देश भर से आए प्रतिनिधि सरकार के कार्यों की स्पष्ट समीक्षा करें और भविष्य के लिए रचनात्मक सुझाव दें।

प्राकृतिक प्रणालियों पर प्रहार करता जलवायु परिवर्तन

डॉ.शंकर सुवन सिंह

करोड़ों वर्ष पूर्व पृथ्वी एक तपता(आग)हुआ गोला थी। जैसे जैसे समय बीतता गया तपते हुए गोले से सागर,महाद्वीपों आदि का निर्माण हुआ। पृथ्वी पर अनुकूल जलवायु ने मानव जीवन तथा अन्य जीव सृष्टि को जीवन दिया जिससे इन सबका जीवन-अस्तित्व कायम रखने वाली प्रकृति का निर्माण हुआ। मानव प्रकृति का हिस्सा है। प्रकृति व मानव एक दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति के बिना मानव की परिकल्पना नहीं की जा सकती प्रकृति दो शब्दों से मिलकर बनी है - प्र और कृति। प्र अर्थात प्रकृष्टि (श्रेष्ठ/उत्तम) और कृति का अर्थ है रचना। ईश्वर की श्रेष्ठ रचना अर्थात सृष्टि। प्रकृति से सृष्टि का बोध होता है। प्रकृति अर्थात वह मूलत्व जिसका परिणाम जगत है। कहने का तात्पर्य प्रकृति के द्वारा ही समूचे ब्रह्माण्ड की रचना की गई है। प्रकृति दो प्रकार की होती है- प्राकृतिक प्रकृति और मानव प्रकृति। प्राकृतिक प्रकृति में पांच तत्व- पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश शामिल हैं। मानव प्रकृति में मन, बुद्धि और अहंकार शामिल हैं। प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा संबंध है। मनुष्य के लिए प्रकृति से अच्छा गुरु नहीं है। प्रकृति की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह अपनी चीजों का उपभोग स्वयं नहीं करती। जैसे-नदी अपना जल स्वयं नहीं पीती,पेड़ अपने फल खुद नहीं खाते,फूल अपनी खुशबू पूरे वातावरण में फैला देते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि प्रकृति किसी के साथ भेदभाव या पक्षपात नहीं करती,लेकिन मनुष्य जब प्रकृति से अनावश्यक खिलवाड़ करता है तब उसे गुस्सा आता है। जिसे वह समय-समय पर सूखा, बाढ़,सैलाब,तूफान के रूप में व्यक्त करते हुए मनुष्य को सचेत करती है।

जल,जंगल और जमीन विकास के पर्याय हैं। जल,जंगल और जमीन जब तक है तब तक मानव का विकास होता रहेगा। मानव जो छोड़ते हैं उसको पेड़-पौधे लेते हैं और जो पेड़-पौध छोड़ते हैं उसको मानव लेते हैं। जल,जंगल और जमीन से ही जीवन है। जीवन ही नहीं रहेगा तो विकास अर्थात बिजली,सड़क,आदि किसी काम के नहीं रहेंगे। जल,जंगल और जमीन को संरक्षित करने लिए मन का शुद्ध होना बहुत जरुरी है। मन आतंरिक पर्यावरण का हिस्सा है। जल,जंगल और जमीन वाह्य (बाहरी) पर्यावरण का हिस्सा है। हर धर्म ने माना प्राकृतिक विनाश से विकास संभव नहीं है। जलवायु पर्यावरण को नियंत्रित करने वाला प्रमुख कारक है,क्योंकि जलवायु से प्राकृतिक वनस्पति,मिट्टी,जलराशि तथा जीव जन्तु प्रभावित होते हैं। जलवायु मानव की मानसिक तथा शारीरिक क्रियाओं पर प्रभाव डालती है। मानव पर प्रभाव डालने वाले तत्वों के जलवायु सर्वाधिक प्रभावशाली है क्योंकि यह पर्यावरण के अन्य कारकों को भी नियंत्रित करती है। विश्व में जलवायु परिवर्तन चिंता का विषय बना हुआ है7 शहरों का भौतिक विकास जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण है। जल प्रदूषण,वायु प्रदूषण,भूमि प्रदूषण,औद्योगिक प्रदूषण,विकिरण प्रदूषण रूपी दैत्यों ने पृथ्वी की जलवायु को पूर्णतः बदल दिया है। दीपावली के त्यौहार में पटाखों का खूब जम कर इस्तेमाल हुआ नतीजा वायु प्रदुषण। किसी भी त्यौहार का उल्लास मनाने में यदि हमारा वातावरण दूषित होता है तो इससे मानव प्रकृति और प्राकृतिक प्रकृति दोनों ही प्रभावित होती हैं। प्रकृति का पूरे मानव जाति के लिए एक सामान व्यवहार होता है। प्रकृति का सम्बन्ध धर्म विशेष से नहीं होता। अतएव सभी मानव जाति को प्रकृति को अपना मूल अस्तित्व समझना चाहिए 7

शुद्ध पेय जल मानव जाती एवं जीव जंतु सभी के लिए एक आवश्यक तत्व है। सृष्टि जीवन के प्रारम्भ में जल निर्मल था,वायु स्वच्छ थी,भूमि शुद्ध थी एवं मनुष्य के विचार भी शुद्ध थे। हरी-भरी इस प्रकृति में सभी जीव-जन्तु तथा पेड़-पौधे बड़ी स्वच्छन्दता से पनपते थे। चारों दिशाओं मे ''वसुधैव कुटुम्बकम'' का वातावरण था तथा प्रकृति भली-भाँति पूर्णतः सन्तुलित थी। किन्तु जैसे-जैसे समय बीता,मानव ने विकास और अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उसने शुद्ध जल,शुद्ध वायु तथा अन्य नैसर्गिक संसाधनों का भरपूर उपभोग किया। मनुष्य की हर आवश्यकता का समाधान निसर्ग ने किया है, किन्तु बदले में मनुष्य ने प्रदूषण जैसी कभी भी खत्म न होने वाली समस्या पैदा कर दी है। वर्षा के जल को प्रकृति द्वारा एक नियत समय पर,नियत मात्रा में हम प्राप्त करते हैं। अतः इसका संरक्षण करना भी हमारे लिए अति आवश्यक प्रक्रिया होनी चाहिए। वर्ष 2019 में हमारे प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद मोदी जी ने देश भर के ग्राम प्रधानों एवं मुखिया को पत्र लिख के वर्षा जल संगृहीत करने की अपील की थी। यह पहला मौका था जब ग्राम प्रधानों को किसी प्रधानमंत्री ने जल संचयन के लिए पत्र लिखा था। संरक्षण के आभाव में वर्षा से प्राप्त जल बह जाता है या वाष्पित हो के उड़ जाता है। हमारे देश में वर्षा पर्याप्त मात्रा में होती है। फिर भी हम पानी का संकट झेलते हैं। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया के लगभग 1.4 अरब लोगों को शुद्ध-पेयजल उपलब्ध नहीं है। नीति आयोग द्वारा वर्ष 2019 में जारी समग्र जल प्रबंधंन सूचकांक (सी डब्लू एम् आई) रिपोर्ट के अनुसार देश में 60 करोड़ लोग पानी की गंभीर किल्लत का सामना कर रहे हैं। करीब दो लाख लोग स्वच्छ पानी ना मिल पाने के वजह से हर साल जान गवां देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2030 ई. तक देश में पानी की मांग,उपलब्ध जल वितरण की दुगनी हो जाएगी। जिसका मतलब है की करोंड़ो लोगो में पानी का गंभीर संकट पैदा हो जायेगा और देश में जीडीपी में 6 प्रतिशत की कमी देखी जाएगी। स्वंतंत्र संस्थाओ द्वारा जुटाए गए डाटा का उद्धरण देते हुए रिपोर्ट में दर्शाया गया है कि करीब 70 प्रतिशत प्रदूषित पानी के साथ भारत जल गुड़वत्ता सूचकांक में 122 देशो में 120 नंबर पर है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों की भौगोलिक स्थितियां अलग हैं। वर्षा काल में जहां भारत के एक हिस्से में बाढ़ के हालात होते हैं वहीँ दूसरे हिस्से में भयंकर सूखा की स्थिति होती है। कई क्षेत्रों में मूसलाधार वर्षा होने के बावजूद लोग एक - एक बूँद पानी के लिए तरसते हैं। कई स्थानों में तो संघर्ष की स्थिति हो जाती है। इसका प्रमुख कारण है वर्षा के जल का सही प्रकार से संचयन न करना। जिससे पानी बह कर प्रदूषित हो जाता है। प्रकृति के संसाधनों को लेकर हम यह सोचते हैं की यह कभी ख़त्म नहीं होगा। जिससे जल भण्डारण धीरे धीरे ख़त्म होने की कगार पर है। इसलिए यह आवश्यक हो गया है की हम जितना पानी प्रकृति से जल भण्डारण के रूप में लेते हैं उतना उसको वापस भी करें। विश्व में प्रत्येक वर्ष के 10 नवंबर को विश्व विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस बार विश्व विज्ञान दिवस 2021 की थीम/प्रसंग है - जलवायु के लिए तैयार समुदायों का निर्माण (बिल्डिंग क्लाइमेट- रेडी कम्युनिटीज)। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य शांतिपूर्ण और टिकाऊ समाज के लिए विज्ञान की भूमिका के बारे में जन जागरूकता को मजबूत करना है। विश्व विज्ञान दिवस पर यूनेस्को कलिंग अवार्ड भी दिया जाता है। जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में विज्ञान की अहम् भूमिका होती है। अतएव समाज को विज्ञान से जोड़ने और समाज को विज्ञान के करीब लाने की आवश्यकता है। जलवायु विज्ञान के बारे में समुदायों को जागरूक होना होगा। जलवायु किसी स्थान के वातावरण की दशा को व्यक्त करने के लिये प्रयोग किया जाता है। यह शब्द मौसम के काफी करीब है। जलवायु और मौसम में कुछ अन्तर है। जलवायु बड़े भूखंडो के लिये बड़े कालखंड के लिये ही प्रयुक्त होता है जबकि मौसम अपेक्षाकृत छोटे कालखंड के लिये छोटे स्थान के लिये प्रयुक्त होता है। पूर्व में पृथ्वी के तापमान के बारे में अनुमान बताते हैं कि यह या तो बहुत अधिक था या फिर बहुत कम। मुख्य रूप से,सूर्य से प्राप्त ऊर्जा तथा उसका हास् के बीच का संतुलन ही हमारे पृथ्वी की जलवायु का निर्धारण और तापमान संतुलन निर्धारित करती हैं। यह ऊर्जा हवाओं,समुद्र धाराओं और अन्य तंत्र द्वारा विश्व भर में वितरित हो जाती हैं तथा अलग-अलग क्षेत्रों की जलवायु को प्रभावित करती है।

निष्ठावान बने रहें

एक किसान शहर में आया। गहनों की दुकान पर गया। गहने खरीदे, सोने के गहने, चमकदार। दुकानदार ने मूल्य मांगा। किसान ने कहा, मेरे पास मूल्य नहीं है, रूपए नहीं हैं। घी का भरा हुआ घड़ा है। आप इसे ले लें और गहने मुझे दें। सौदा तय हो गया। दुकानदार भी प्रसन्न और किसान भी प्रसन्न। किसान घर गया। अपने गांव के सुनार को गहने दिखाए। उसने परीक्षण कर कहा, तुम ठगे गए। नीचे पीतल है और ऊपर स्वर्ण का झोल। किसान ने सोचा, मैंने सेठ को ठगा, तो सेठ ने मुझे ठग लिया। सेठ घर गया। घी को दूसरे बर्तन में डालना चाहा। ऊपर घी था, नीचे कंकड़-पत्थर। माथे पर हाथ रख सोचा, ठगा गया। मैंने किसान को ठगा और किसान ने मुझे ठग लिया। किसान सोचता है, मैंने सेठ को ठग लिया। सेठ सोचता है, मैंने किसान को ठग लिया। कोई नहीं ठगा गया। सौदा बराबर हो गया। जब पूरा समाज अनैतिक होता है, तो कौन किसको ठगेगा? कौन ठगा जाएगा? सभी सोचते हैं, मैंने उसको ठग लिया, पर ठगे सभी जाते हैं। बेईमानी जब व्यापक होती है, तब सब ठगे जाते हैं। अकेला कोई नहीं ठगा जाता। समाज में ईमानदार लोग भी हैं। इस ईमानदारी के कंधे पर चढ़कर बेईमानी चल रही है। सत्य के आधार पर असत्य और अहिंसा के आधार पर हिंसा चल रही है। सारे हिंसक बन जाएं, तो हिंसा अधिक नहीं चल सकती। हम गहराई से चिन्तन करें कि सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त आवश्यक है निष्ठा, पराविद्या की निष्ठा। भौतिकता और आध्यात्मिकता का सन्तुलन बना रहे। हम परम को भी देखें, अपरम को भी देखें। सत्यनिष्ठा रचनात्मक दृष्टिकोण की उपलब्धि ही तो है।

आसियान का संदेश

सिद्धार्थ शंकर

दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों के संगठन आसियान का 39वां शिखर सम्मेलन सदस्य देश म्यांमा की गैर-मौजूदगी में संपन्न हो गया। ऐसा नहीं कि म्यांमार इसमें शिरकत नहीं करना चाहता था, पर आसियान संगठन ने ही उसे सम्मेलन से दूर रखा। म्यांमार के सैन्य शासक मिन आंग लेंग के लिए यह एक बड़ा झटका है। म्यांमार को आसियान का यह संदेश है कि लोकतंत्र के बिना क्षेत्रीय सहयोग संभव नहीं है। हालांकि म्यांमार को लेकर आसियान सदस्य देशों में भी एक राय नहीं है, लेकिन लोकतांत्रिक प्रभाव वाले सदस्य देशों ने म्यांमार के सैन्य शासन को साफ संकेत दे दिया है कि जब तक वह लोकतंत्र बहाली के लिए कदम नहीं उठाता, तब तक उसे ऐसा बहिष्कार झेलना पड़ सकता है। इस बार आसियान की सालाना बैठक इस लिहाज से ज्यादा महत्वपूर्ण रही कि बैठक को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी संबोधित किया। उन्होंने भाषण में चीन व म्यांमार की नीतियों को लेकर चिंता जताई। आसियान के उन सदस्य देशों जहां लोकतंत्र खासा मजबूत है, ने म्यांमार के सैन्य शासन के प्रति खुल कर अपनी नाराजगी जताई। क्योंकि उन्हें डर है कि कहीं उनके यहां भी इस तरह तानाशाही की प्रवृति न उभरने लगे। आसियान के सदस्य देश इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपीन और सिंगापुर पूर्ण लोकतांत्रिक देश हैं जहां सरकारें चुनी जाती हैं। सेना पूर्णरूप से निर्वाचित सरकार के अधीन काम करती है। इसलिए इन्हीं चार देशों ने म्यांमा के सैन्य शासन को लेकर ज्यादा नाराजगी दिखाई और उस पर लोकतंत्र बहाली के लिए दबाव बना रखा है। पर म्यांमार के सैन्य शासक इन देशों की अपील की अनदेखी ही कर रहे हैं। दरअसल आसियान के सदस्य देश और म्यांमा के पड़ोसी थाईलैंड का रवैया म्यांमार को लेकर स्पष्ट नहीं है। थाईलैंड में भी लोकतंत्र पर सेना हावी है। यहां भी सेना द्वारा तख्तापलट का इतिहास रहा है। 2014 में थाईलैंड में सेना ने तख्तापलट दिया था। फिर 2016 में थाईलैंड की सेना ने सहूलियत के हिसाब से नया संविधान बनाया, जिसमें देश पर सेना की

पकड़ को और मजबूत कर दिया गया। हालांकि आसियान जैसे क्षेत्रीय संगठन के स्थापित सिद्धांत में स्पष्ट किया गया है कि इसके सदस्य देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। यही कारण है कि आसियान के सदस्य देश इस बात को लेकर अभी तक एक राय नहीं बना पाए हैं कि अगर किसी सदस्य देश की सीमा में घटी किसी राजनीतिक घटना या सत्ता परिवर्तन से क्षेत्रीय शांति प्रभावित होती हो तो उससे कैसे निपटा जाए। कुछ सदस्य देश म्यांमार के प्रति सख्त हैं, तो कुछ का रवैया नरम है। लंबे समय बाद म्यांमार में लोकतंत्र बहाली और लोकतंत्र समर्थक नेता आंग सान सू की सत्ता वापसी से लोकतंत्र मजबूत होने के संकेत मिलने लगे थे। पर लोकतांत्रिक सरकार सेना के दखल से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाई थी। महत्वपूर्ण मंत्रालय सेना के पास ही थे। सेना शासन पर पूरा नियंत्रण हासिल करने की कोशिश में थी और अंततः सेना तख्तापलट से ऐसा करने में कामयाब हो गई। इस घटना से पड़ोसी देशों का प्रभावित होना स्वाभाविक था। म्यांमार में जब लोकतंत्र था तब भी सेना बेलगाम थी। तख्तापलट के बाद देश के रखाइन प्रांत में अल्पसंख्यक रोहिंग्या मुसलमानों का दमन हुआ। इस प्रांत के संसाधनों और भूमि पर सेना की कंपनियों और इसके साथ कारोबार करने वाली विदेशी कंपनियों की नजर थी। रोहिंग्या मुसलमानों के दमन का असर यह हुआ कि लाखों रोहिंग्या मुसलमानों को बांग्लादेश, भारत, नेपाल, थाईलैंड में शरण लेने को मजबूर होना पड़ा। रोहिंग्या शरणार्थियों से सबसे ज्यादा प्रभावित बांग्लादेश है। इस समय वहां नौ लाख रोहिंग्या शरणार्थी हैं। इसका असर बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पर भी पडने लगा है। थाईलैंड में एक लाख से ज्यादा रोहिंग्या शरणार्थी हैं। भारत, इंडोनेशिया, नेपाल जैसे देशों में रोहिंग्या शरणार्थियों ने शरण ली।

सशस्त्र सेना दिवस पर आयोजित सैन्य परेड में चीन, रूस, पाकिस्तान, बांग्लादेश, वियतनाम, लाओस और थाईलैंड के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। ऐसे में यह माना जा सकता है कि भारत का यह कदम रणनीतिक हो।

विश्व व्यापी स्वरूप धारण करता जा रहा है छठ पर्व!

सूडोकू नवताल- 5887 (★★★★☆ मध्यम)

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकू नवताल -5886 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

भरत मिश्र प्राची

देश के हर भाग में आज श्रद्धा एवं विश्वास के साथ मनाये जाने वाला महान छठ पर्व का शुभारम्भ श्रद्धा के साथ हो चुका है। इस वर्ष यह व्रत 8 नवम्बर को खरना के साथ शुरू होकर 10 नवम्बर की संध्याकालीन पूजन के साथ 11 नवम्बर को प्रातःकालीन पूजन के उपरान्त समाप्त हो जायेगा। विश्व के सभी लोग प्रायः उगते सूर्य की ही पूजा करते है, परन्तु आस्था एवं विश्वास से जुडे इस छठ व्रत के अवसर पर डूबते सूर्य की भी पूजा की जाती है। प्राचीन काल से ही इस व्रत का प्रावधान चला आ रहा है। इस व्रत में सूर्य की पूजा की जाती है। व्रत करने वाला बिना अन्न जल ग्रहण किये इस व्रत को पूरा करता है। इस व्रत में प्रसाद रुप में हर प्रकार के मौसमी फल, मीठे पाकवान, सहित अन्य प्रकार के श्रद्धानुसार सामग्री शामिल की जाती है। यह पूजा नदी, पोखरा जहां जल की मात्रा प्रचूर होती है, के किनारे की जाती है। इस व्रत में जल में खड़े होकर ही उगते एवं डूबते सूर्य को जल ,दूध के साथ अर्घ्य दिया जाता है।

आज सूर्य ही प्रत्यक्ष देवता के रूप में सभी के समने विराजमान है, जो कालजयी एवं उर्जावान है। जिन्हें उपनिषद में ब्रम्हा, विष्णु, व महेश का स्वरुप बताया गया है। जिनकी उपासना से प्राणी हर कष्ट से मुक्त हो जाता है। वेद पुराण में सूर्य उपासना को प्रमुख बताया गया है। इसी तेजवान सूर्य की उपासना सुख शांति पुत्र प्राप्ति के लिये वर्षो से कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष के षष्ठी तिथि को प्रति वर्ष छठ व्रत के रूप में श्रद्धा एवं

विश्वास के साथ नदी, तालाब के किनारे देश के हर भाग में किये जाने की परम्परा अनवरत चालू है। उगते सूर्य की पूजा तो प्रायः सभी करते है पर यह विश्व की पहली ऐसी उपासना है जहां डूबते सूर्य की भी पूजा की जाती है। यह व्रत कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष को षष्ठी तिथि में अस्ताचल की ओर जाते सूर्य की उपासना के साथ प्रारम्भ होकर दूसरे दिन सप्तमी तिथि में उदित सूर्य को अर्घ देने के साथ समाप्त होता है। वैसे इस व्रत का शुभारम्भ पंचमी से ही हो जाता है जिसे खरना कहा जाता हैं। इस दिन व्रत करने वाला दिन भर उपवास रहकर शाम को प्रसाद के रुप में खीर लेता है जिसे आंचलिक भाषा में खरना कहा जाता है। दूसरे दिन षष्ठी तिथि को बिना अन्न - जल ग्रहण किये व्रत करने वाला व्रती सरिवार संध्या काल में पूजन सामग्री के साथ पूजा घाट पर पहुंचता है जहां जल में खड़े होकर डूबते हुए सूर्य की अराधना के साथ गंगा जल व गाय के दूध से अर्घ्र देकर घर वापिस आ जाता है, रात्रि भर उपवास रहने के बाद दूसरे दिन सप्तमी को पुनः सरिवार प्रसाद की डाल लेकर प्रातःकाल पूजा घाट पर पहुंचता है एवं जल में खड़े होकर उगते सूर्य को गाय के दूध से अर्घ देकर पूजा की समाप्ति करता है। तदपरान्त प्रसाद एक दूसरे को देकर एवं स्वयं ग्रहण कर श्रव्द्धा सहित इस महान पर्व को पूरा करता है। इस व्रत को करने वाला व्रती अधिकांशतः महिलाएं होती है। जब कि पुरुष वर्ग भी इस व्रत को करता है पर उसकी संख्या नगण्य होती है। इस व्रत में गुड़ -चीनी से बने मीठे पकवान जिन्हें बिहार की लोकभाषा में ठेकुआ कहा जाता है, के साथ हर प्रकार का मौसमी फल प्रसाद के रुप में चढ़ाया जाता है। गन्ना (ईख) का प्रयोग प्रसाद के रुप में इस व्रत में विशेष रुप से किया जाता है। पूजा घाट की शोभा इस गन्ने से और रमणीय एवं शोभनीय बन जाती है। इस व्रत में शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाता है। जहां आस्था के विभिन्न रुप के दर्शन होते है। कुछ व्रती घाट पर लेट कर प्रणाम् की मुद्रा में आते देखे जा सकते है तो कुछ पूजा काल के दौरान पूरे समय तक जल में खड़े होकर सुर्य की अराधना करते देखे जा सकते है। मनोवांछित फल देने वाला यह व्रत आज पूर्वाचल से शुरू होकर देश विदेश में काफी लोकप्रिय हो चुका है। जहां जहां पूर्वाचल के लोग पहुंचे है, इस व्रत को श्रद्धा पूर्वक सदा करते रहे है जिसके वजह से आज केवल यह पूर्वाचल का पर्व न होकर विश्व स्तरीय रुप धारण कर चुका है। इस व्रत को प्राचीन काल से ही नाग, किन्नर, मानव में करने के प्रमाण मिलते है।

चीनी नेतातंत्र या भारतीय लोकतंत्र?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

चीन में माओ त्से तुंग के बाद चार बड़े नेता हुए। तंग स्याओ फिंग, च्यांग जोमिन, हू जिन्ताओ और शी चिन फिंग ! माओ के बाद तंग को इसीलिए सबसे बड़ा नेता माना गया, क्योंकि उन्होंने चीन को नई दिशा दी थी। माओ की सांस्कृतिक क्रांति तथा अन्य साम्यवादी कदमों के कारण चीन में लाखों की जान चली गई और आर्थिक विपन्नता भी बढ़ गई लेकिन तंग स्याओ फिंग ने काफी उदारवादी और सुधारवादी रवैया अपनाया। उनकी एक प्रसिद्ध कहावत तो चीनी इतिहास का विषय बन गई है। उन्होंने कहा था कि इससे कुछ नहीं फर्क पड़ता कि बिल्ली काली है या गोरी है। देखना यह है कि वह चूहे मार सकती है या नहीं? उन्होंने अपनी आर्थिक नीतियों से चीन को विश्व की महाशक्तियों की पंगत में ले जाकर बिठा दिया। उन्हीं की तरह शी चिन फिंग ने अपने पिछले नौ साल के शासन-काल में चीन को विश्व-शक्ति बनाने का भरपूर प्रयत्न किया। उन्होंने चीन को इस लायक बना दिया कि अमेरिका उससे गलबहियां मिलाने के लिए उद्यत हो गया और जब चीन फिसला नहीं तो आज चीन के साथ अमेरिका के वैसे रिश्ते बनते जा रहे हैं, जैसे शीतयुद्ध के दौरान रूस और अमेरिका के हो गए थे। शी के चीन की फौजी बुलंदी ही कारण है, जिसने उसके आस-पास अमेरिकी चौगुटे (क्वाड) को जन्म दिया है और पश्चिम एशिया में भी वैसा ही गठबंधन बनने जा रहा है। शी की रेशम महापथ की महायोजना ने पूरे एशिया को समेटने की कोशिश की है। शी का चीन प्राचीन चीनी 'माध्यमिक साम्राज्य' की धारणा को बदलकर पूरे एशिया और अफ्रीका में छा जाना चाहता है। शी ने 2018 में चीनी संविधान में संशोधन करवाकर अपने लिए आजीवन राष्ट्रपति रहने का प्रावधान करवा लिया है। इस समय तीन शीर्ष पद उनके पास हैं। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के वे महासचिव हैं, देश के राष्ट्रपति हैं और केंद्र सैन्य आयोग के अध्यक्ष हैं। जाहिर है कि अगले साल वे पांच साल के लिए और चुन लिये जाएंगे। पिछले 100 साल के चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के इतिहास में माओ और तंग के बाद शी ही ऐसा नेता होंगे, जिनकी प्रशंसा में पार्टी कसीदे काढ़ेगी। शी को इस बात का श्रेय तो है कि उन्होंने चीन को महाशक्ति और महासंपन्न बनाने का भरसक प्रयत्न किया है और भ्रष्टाचार के विरुद्ध जबर्दस्त पहल की है। दुनिया के लोकतांत्रिक देशों के लिए शी चिन फिंग एक पहेली भी हैं। वे यह प्रश्न भी सबके सामने उछाल रहे हैं कि अपने देश की जनता के भले के लिए क्या अच्छा है।

पोर्टल के माध्यम से ही करें छात्रवृत्ति का भुगतानः मुख्यमंत्री

एससी, एसटी एवं ओबीसी छात्रवृत्ति प्रक्रिया की समीक्षा बैठक

मुरैना। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि एससी, एसटी एवं ओबीसी छात्रों को छात्रवृत्ति का भुगतान छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से ही किया जाए। किसी भी स्थिति में बिना पोर्टल के छात्रवृत्ति नहीं दी जाए। छात्रवृत्ति से संबंधित विसंगतियों को दूर कर एकरूपता लाई जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यह निर्देश सोमवार को मंत्रालय में एससी, एसटी एवं ओबीसी छात्रवृत्ति प्रक्रिया और पोर्टल की एकरूपता के लिए आयोजित समीक्षा बैठक में दिए। जनजातीय कार्य, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री सुश्री मीना सिंह, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव अनुसूचित जाति कल्याण और जनजातीय कार्य श्रीमती पल्लवी जैन गोविल तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

छात्रवृत्ति वितरण में अनियमितताएँ बर्दाश्त नहीं होंगी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि छात्रवृत्ति वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितताएँ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अनियमितता करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। छात्रवृत्ति का वितरण तर्कसंगत ढंग से सुनिश्चित करें। बच्चों की पढ़ाई में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

तकनीकी का बेहतर ढंग से करें उपयोग

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि तकनीकी का बेहतर ढंग से उपयोग सुनिश्चित करें। आज हमारे पास वह तकनीकी है, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितताएं होने की संभावना नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि छात्रवृत्ति से संबंधित समस्याओं की जाँच करा ली जाए एवं किसी भी प्रकार की गड़बड़ न हो। यदि छात्रवृत्ति का भुगतान अनियमित ढंग से कर दिया गया है तो उसकी वसूली की कार्यवाही की जाए। छात्रवृत्ति स्वीकृति एवं भुगतान की प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सरल बनाया जाए।

प्रवेश के बिना छात्रवृत्ति का भुगतान न हो

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि विद्यार्थियों के प्रवेश के लिए संबंधित विभाग पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करें। बगैर प्रवेश प्रक्रिया के छात्रवृत्ति का भुगतान नहीं करें। निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए जिन छात्रों का प्रवेश होगा, उन्हें छात्रवृत्ति प्रदान की जाए। छात्रवृत्ति के लिए बनाए गए निर्धारित कैलेण्डर का पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने छात्रवृत्ति दरों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि महाविद्यालयों के विभिन्न शुल्क नियमानुसार ही लिए जाएँ। विभिन्न विभागों के बीच मापदण्डों में भिन्नता को कम किया जाए।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अस्थाई सिंचाई पंप कनेक्शन की दरें जारी

मुरैना। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा राज्य शासन के निर्णयानुसार भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों के ग्रामीण क्षेत्र के कृषि उपभोक्ताओं के लिए अस्थाई सिंचाई पंप कनेक्शन हेतु सिंगल फेस एवं थ्री फेस के लिए लागू विद्युत दरें जारी कर दी हैं। कंपनी द्वारा जारी दरों के अनुसार अब ग्रामीण क्षेत्र के कृषि पंप उपभोक्ताओं को तीन माह हेतु सिंगल फेज एक एचपी अस्थाई कृषि पंप कनेक्शन के लिए फिक्स चार्ज, इनर्जी चार्ज सहित देय 4222 रूपए के स्थान पर अब राज्य शासन द्वारा देय सब्सिडी सहित कुल 1843 रूपए का ही भुगतान करना होगा। इसी प्रकार थ्री फेज अस्थाई कृषि पंप कनेक्शन को तीन माह के लिए फिक्स चार्ज, इनर्जी चार्ज सहित कुल 4879 रूपए देय होगी। कंपनी ने कहा है कि अस्थाई .थि पंप कनेक्शनके लिए कृषि उपभोक्ताओं को वर्ष 2021-22 हेतु जारी टैरिफ आदेश की श्रेणी 5 की कंडिका 1.4 के अनुसार कम से कम तीन माह का अग्रिम भुगतान कंपनी में जमा कराना अनिवार्य है एवं विद्युत सप्लाई कोड 2013 में दिये गये प्रावधानों के अनुसार ऐसे उपभोक्ता जिनके पंप कनेक्शन पर उचित रेटिंग का कैपेसिटर लगा हुआ है उनसे कैपेसिटर सरचार्ज का भुगतान कंपनी द्वारा नहीं लिया जाएगा। कंपनी ने बताया है कि म.प्र.विद्युत नियामक आयोग द्वारा जारी टैरिफ आदेश के अनुसार अस्थाई कृषि पंप की दरों का निर्धारण किया गया है एवं त्रैमासिक आधार पर एम.पी.पॉवर मैनेजमेंट कंपनी जबलपुर द्वारा ईंधन प्रभार की गणना की जाएगी।

अनुविभागीय अधिकारी ने पुलिस चौकी में बैठकर सुनी जनता की समस्याएं

अम्बाह। अनुविभागीय अधिकारी राजीव समाधिया द्वारा जग्गा चौराहे की पुलिस चौकी में बैठकर बीट सिस्टम के तहत आम जनता की समस्याएं सुनी। इस मौके पर पुलिस के जवान भी मौजूद थे। सुबह के समय एसडीएम राजीव समाधिया पुलिस चौकी पर पहुंच गए और उन्होंने इलाके के लोगों की समस्याएं सुनी। लगभग आधा दर्जन समस्याओं का निराकरण भी इस मौके पर किया गया। जन सुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में लोग पुलिस चौकी पर पहुंचे और उन्होंने एसडीएम श्री समाधिया को अपनी समस्याएं बताई। श्री समाधिया ने पुलिस के सहयोग से एवं आपसी सहमति से समस्याओं का निराकरण भी किया।

कैप्टन वीर नारायण सिंह तोमर की शहादत ने किया तंवरघार का नाम रोशनः रविंद्र सिंह तोमर

अम्बाह। जौहा गांव के निवासी अमर शहीद कैप्टन वीर नारायण सिंह तोमर का शहादत दिवस उनके नाम पर बने शहीद पार्क में देशभक्ति पूर्ण वातावरण में मनाया गया इस अवसर पर बड़ी संख्या में भूतपूर्व सैनिक एवं आम जनता के लोग मौजूद थे। कार्यक्रम में दिमनी के विधायक रविंद्र सिंह तोमर एवं अंबाह विधायक प्रतिनिधि डॉ गिर्राज जाटव प्रमुख रूप से मौजूद थे। यह आयोजन भूतपूर्व सैनिक ग्रुप अंबाह द्वारा किया गया। इस आयोजन में सुबह भूतपूर्व सैनिक बड़ी संख्या में अमर शहीद कैप्टन वीर नारायण सिंह तोमर पार्क में पहुंचे जहां पर उन्होंने ध्वजारोहण करके अमर शहीद को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके बाद जगत कल्याण की कामना के लिए वैदिक रीति रिवाज के साथ यज्ञ किया गया, जिसमें पूर्व सैनिकों ने पूर्णाहुति दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रविंद्र सिंह तोमर ने कहा कि देश की रक्षा के लिए शहादत की कोई कीमत नहीं हो सकती है, पूरा देश एवं हम सब तो केवल शहीद सपूतों की वीर माताओं, वीर नारियों एवं परिजनों के प्रति केवल कृतज्ञता ही व्यक्त कर सकते हैं। वीरों की शहादत के कर्ज को हम कभी चुका नहीं सकते हैं। हिन्दुस्तान की धरती की रक्षा के लिए सबसे ज्यादा रक्त चंबल के सपूतों ने बहाया है। हम सभी उनके प्रति नतमस्तक हैं। रविंद्र सिंह तोमर ने कहा कि अपनी मातृभूमि की रक्षा व सम्मान के लिए प्राणों का उत्सर्ग करने वाले वीर अमर शहीद कैप्टन वीर नारायण सिंह तोमर को अंबाह की वह धरती नमन करती है। कैप्टन वीर नारायण सिंह तोमर की शहादत ने चंबल का नाम रोशन किया था। हमें सेना के इन रणबांकुरे पर नाज है। डॉ गिर्राज जाटव ने कहा कि देश के दुश्मनों के खिलाफ लड़ा गया ऐसा कोई युद्ध नहीं है, जिसमें अंबाह पोरसा के वीरों ने अपनी जान पर खेलकर सरहद की रक्षा न की हो चंबल के सैकड़ों वीर सैनिकों ने अपनी शहादत भारत माता की रक्षा के लिए दी है। उनमें से कैप्टन वीर नारायण सिंह तोमर भी एक थे। इस अवसर पर भूतपूर्व सैनिक संघ ने सभी अतिथियों का सम्मान भी किया। विधायक रविंद्र सिंह तोमर ने पार्क में कुर्सी लगवाने सहित अन्य विकास कार्य कराने की बात भी कही कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाई गई महासेन जी की जयंती

मुरैना। माहेर ग्वार्रे वैश्य समाज के कुल प्रवर्तक श्री श्री 1008 श्री महाराजा महासेन जी की जयंती मंगलवार को धूमधाम से मनाई गई तथा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें सुबह प्रातः 10 बजे गणेश पूजन एवं ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। दोपहर को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन महिला मंडल नगर शाखा मुरैना द्वारा किया गया, जिसमें समाज की महिलाओं एवं बच्चों की सहभागिता बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के संचालन में महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती वीना गुप्ता, सचिव श्रीमती अंजी गुप्ता, कोषाध्यक्ष, श्रीमती रेखा गुप्ता एवं माहौर ग्वार्रे वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश चंद मांडिल, राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती मीना गुप्ता, महासभा संरक्षक वरिष्ठ उद्योगपति मुरैना नारायण गुप्ता, पंकज गुप्ता कार्यक्रम संयोजक ओपी गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के समापन परअन्नकूट प्रसादी पैकेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ राम स्वरूप गुप्ता एडवोकेट, राधेश्याम गुप्ता एडवोकेट, डॉ आर सी बांदिल, मोहन चंद्र गुप्ता एडवोकेट नगर शाखा अध्यक्ष अशोक गोयल महामंत्री गिर्राज बांदिल, उपाध्यक्ष रोमेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष अमित बांदिल, सह मंत्री योगेश बांदेल एवं मीडिया प्रभारी विपुल गुप्ता उपस्थित थे।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं 12 फरवरी से

मुरैना। माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा परीक्षा वर्ष 2021-22 के लिए 10 वीं, 12वीं, व्यावसायिक विद्यालय पूर्व शिक्षा में डिप्लेमा और शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण पत्रोपाधि की सैद्धांतिक और प्रायोगिक परीक्षा 12 फरवरी 2022 से आयोजित की जायेगी। आयुक्त लोक शिक्षण अभय वर्मा ने बताया कि सैद्धांतिक परीक्षा 20 मार्च 2022 तक और प्रायोगिक परीक्षा 31 मार्च 2022 तक आयोजित की जायेगी। लोक स्वास्थ्य एवं लेकहित में वर्ष 2019 और 2020 में नोबल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुये परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है।

विधिक साक्षरता जागरूकता हेतु रैली निकाली

अम्बाह। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं अध्यक्ष /प्रधान जिला न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना सुबोध कुमार जैन एवं सचिव/जिला न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना शशातचंद्र सक्सेना के निर्देश के पालन मे अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति अम्बाह सुरेन्द्र कुमार के निर्देशानुसार मंगलवार को विधिक सेवा दिवस के अवसर पर तहसील न्यायालय अम्बाह से प्रभात फेरी रैली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त रैली कार्यक्रम में अध्यक्ष/द्वितीय जिला न्यायाधीश तहसील विधिक सेवा समिति अम्बाह सुरेन्द्र कुमार, तहसील न्यायालय अम्बाह में पदस्थ पंकज कुमार जैन प्रथम जिला न्यायाधीश अम्बाह, व्हीपी एस चौहान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अम्बाह, नितिनेन्द्र सिंह न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अम्बाह, मीनाक्षी दंदेलिया न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अम्बाह, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ अम्बाह रामसेवक शर्मा, एजीपी एवं अधिवक्तागण, तहसील न्यायालय अम्बाह में पदस्थ समस्त तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारीगण, समस्त पेनल अधिवक्तागण, समस्त पी एल व्ही एवं पुलिस विभाग ने भागीदारी की। तत्पश्चात तहसील विधिक सेवा समिति अम्बाह सुरेन्द्र कुमार के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत भवन ककरारी में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अम्बाह मीनाक्षी दंदेलिया द्वारा विधिक साक्षरता शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अंबाह के साधू सिंह बने भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष

अम्बाह। भारतीय जनता पार्टी पिछडा वर्ग मोर्चा मध्यप्रदेश के अध्यक्ष भगत सिंह कुशवाहा ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा की सहमति से अंबाह के रहने वाले साधू सिंह राठौर को भाजपा पिछडा वर्ग मोर्चा का जिला अध्यक्ष घोषित किया है। साधू सिंह को पिछडा वर्ग मोर्चा का जिला अध्यक्ष घोषित किये जाने पर पार्टी के अनेक नेताओं, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

गोपाष्टमी का आयोजन कल, टाउन हॉल में होगी पूजा अर्चना

मुरैना। गोपाष्टमी इस बार धूमधाम से मनाई जाएगी, लेकिन कोरोना आपदा को देखते चल समारोह इस बार शहर में नहीं निकलेगा। श्री गोविन्द गौशाला समिति ने कोरोना आपदा के कारण फैसला लिया है कि इस बार केवल पूजा अर्चना व महाआरती कर गोपाष्टमी मनाई जाएगी। मुख्य समारोह जीवाजी गंज स्थित टाऊन हॉल में कल 11 नवम्बर को आयोजित किया जायेगा। श्री गोविन्द गौशाला समिति के अध्यक्ष तुलसीदास सिंघल ने बताया कि कोरोना अपने जिले में तो अभी नहीं है, लेकिन अन्य जिलों में कोरोना के मरीज मिलने के समाचार लगातार हम सभी पड रहे हैं। इसलिए हम सभी को सतर्क रहने की आवश्यकता है। ऐसे में भीड़ जुटाना बीमारी को दस्तक देने जैसा है। समिति ने फैसला लेकर चल समारोह को इस बार रद्द कर दिया है। उन्होंने बताया कि गोपाष्टमी के अवसर पर समारोह का आयोजन कल 11 नवंबर को टाऊन हॉल में किया जाएगा, जो सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक गौ माता की पूजा अर्चना का दौर चलता रहेगा। उक्त कार्यक्रम में कोरोना के नियमों का ख्याल रखा जायेगा, जिसमें पूजा अर्चना के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग रहेगी। आम जन से अपील की गई है कि वह गौ माता के पूजन करने आते समय मास्क अवश्य लगाएं व सैनेटाइजर का प्रयोग करें। गोपाष्टमी के अवसर पर टाऊन हॉल में गौ माता की महाआरती आयोजित की जा रही है। इसलिए श्रद्धालुओं से अपील है कि वह इस कार्यक्रम में है शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

आवेदन पत्रों पर भरण पोषण अधिनियम के तहत एसडीएम करें कार्यवाही : एडीएम

जनसुनवाई में 115 आवेदनकर्ताओं को सुना, 7 आवेदनों का होगा 24 घंटे में निराकरण

मुरैना। शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई प्रातः 11 से 1 बजे तक करने के निर्देश हैं। निर्देशों के तहत कलेक्टर बी कर्तिकेयन के मार्गदर्शन में 9 नवंबर को जनसुनवाई अपर कलेक्टर नरोत्तम भार्गव, नगर निगम कमिश्नर संजीव कुमार जैन और डिप्टी कलेक्टर सुरेश बरहादिया द्वारा की गई, जिसमें 115 आवेदनकर्ताओं को सुना। जिनमें 7 आवेदन गंभीर निराकरण योग्य पाये गये थे उन्हें 24 घंटे के अंदर निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों ने दिये। इसके साथ ही लहेगढ निवासी श्रीमती मुन्नी देवी ने आवेदन प्रस्तुत किया कि मेरे पुत्र व पुत्रवधू मुझे और मेरे पति को घर में नहीं रखना चाहते हैं। इसके अलावा मधुपुरी कॉलोनी अंबाह निवासी प्रार्थिया विद्यावती ने आवेदन प्रस्तुत किया कि मेरे पुत्र ने मेरी संपत्ति पर अधिकार कर लिया है अब वह मुझे घर से बाहर भगा देते हैं। अपर कलेक्टर ने दोनों आवेदनों पर विचार करते हुये संबंधित एसडीएम को आवेदनों का फोटो खींचकर तत्काल भेजे और उनका 24 घंटे के अंदर भरण पोषण अधिनियम के तहत आवेदनकर्ताओं के पुत्र व पुत्रवधुओं के खिलफ कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में विशेषकर भूमि विभाग, रास्ता रोकना, शिक्षा, आंगनवाड़ी, सिंचाई विभाग, आवास, विद्युत, मनरेगा, सीसी खरंजा, पेयजल, ग्रामीण विकास संबंधी 108 आवेदन ऐसे पाये गये जो संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में अधिकतर लोगों की समस्याओं का समाधान मौके पर किया जा रहा है। कई आवेदनकर्ता आवेदन देकर प्रफुल्लित होकर दिखे और उन्हें आशा की किरणें आवेदन देकर प्रतीत हो रही थीं।

लोकआस्था का महापर्व छठ

ठेकुआ ,दउरी, गंगा का घाट,छठी मईया की भक्ति में सराबोर गीत और लोगों का जमघट और भी बहुत कुछ है जो छठ महापर्व का परिचायक है जो इस महापर्व को ग्लोबल फेस्टिवल बना दिया है।

आगाध आस्था , भक्ति और तपस्या का दूसरा नाम है छठ महाव्रत ।

दीपावली के छःदिन बाद मनाया जाने वाला छठ पूजा उत्तर प्रदेश और बिहार के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। ये दोनों राज्य भारत के उत्तर-पूर्व भाग में स्थित है। यूपी-बिहार के अलावा छठ पूजा नेपाल के तराई क्षेत्रों में भी धूमधाम से मनाया जाता है। इसके साथ ही झारखंड में भी इस पर्व को मनाने वालों की संख्या कम नहीं है। यही नहीं, विदेशों में भी बसे उत्तर-बिहार के लोग इस त्योहार को धूम-धाम से मनाते हैं।

छठी मईया के आने की तैयारी में

व्रती अपने घर आंगन की साफ सफाई का बहुत ख्याल रखते है।

परमपूज्य आचार्य सतीश अवस्थी द्वारा जानेंगे कि क्यों मनाया जाता है महापर्व छठ?

छठ पूजा का व्रत खासकर महिलाएं अपनी संतान की रक्षा और पूरे परिवार की सुख शांति का वर मांगने के लिए करती है।निसंतानों को संतान प्राप्ति का वरदान देती है छठी मईया।छठ के दौरान महिलाएं लगभग 36 घण्टे का व्रत रखती हैं।9 नम्बर खरना के साथ छठ की शुरुआत हो जाएगी।10नवम्बर को संध्या अर्घ्य एवं 11 नवम्बर को सुबह भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ इस महापर्व की समाप्ति होगी।

छठ पूजन की तैयारी के लिए पूजा समाग्री की सूची

महापर्व छठ के पूजा पाठ के लिए जरूरी सामान इस प्रकार है।

पांच गन्ने जिसमें पत्ते लगे हो, पानी वाला नारियल, अक्षत ,पीला सिंदूर, दीपक, घी, बाती, पान का पत्ता, साबुत सुपाड़ी, शहद को जरूर एकत्रित कर लें।इसके साथ हल्दी, मूलीऔरअदरक का हरा पौधा ,बड़ा वाला मीठा निम्बू, शरीफा,केला और नाशपाती भी पूजा में प्रयोग होता है।

आदरणीय आचार्य सतीश अवस्थी जी द्वारा जानेंगे किसकी होती है आराधना?

इस त्यौहार में भगवान सूर्य और छठ माता की आराधना की जाती है। हिन्दुओं के अलावा इस्लाम एवं अन्य धर्म के कुछ लोग भी इस त्योहार को पूरी श्रद्धा से मानते हैं। इस पर्व से जुड़ी कई पौराणिक और लोक कथाएं भी प्रचलित हैं।

छठ महापर्व के नियम

छठ पर्व हर साल कार्तिक माह के 6वें शुक्ल पक्ष में मनाया जाता है। छठ पूजा नहाय-खाय से शुरू होता है जो 4 दिनों तक चलता है। छठ करने वाले व्रती 4दिनों का उपवास रखते हैं। यह पुरुष या महिला किसी के भी द्वारा किया जा सकता है। जो कोई अपनी इच्छा पूरी करना चाहते हैं वे छठ माता से प्रार्थना करते हैं।

छठ पर्व की मान्यता

छठ पूजा क्यों मनाया जाता है

छठ मनाने के पीछे की मान्यता है कि छठी माता उस व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी करती हैं जो इस व्रत को स्वीकार करते हैं। यह हिन्दू धर्म के पवित्र कार्तिक माह के 6वें दिन मनाया जाता है, इसलिए इसे छठ के रूप में जाना जाता है जिसका अर्थ है छह। एक मान्यता यह भी है कि भगवान सूर्य की एक बहन थी जिसका नाम छठ माता था, इसलिए लोग उनकी बहन को प्रभावित करने के लिए भगवान सूर्य से प्रार्थना करते हैं। बुनियादी रूप से छठ में सूर्य की उपासना की जाती है।

वन-टू-वन

दो सौ लीटर प्रति मिनट छमता के ऑक्सीजन प्लांट का हुआ लोकार्पण।

मोहन मांझी
पुष्पांजली टुडे

गोहद। कोरोना महामारी के समय देश में ऑक्सीजन की भारी किल्लत रही। इसी को देखते हुए देश के शासकीय अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट लगाने का कार्य किया जा रहा है। इसी कै अंतर्गत गोहद के शासकीय अस्पताल में कृषक फाउंडेशन (कृषि रसायन गुप ऑफ कंपनीज) के सहयोग से दो सौ लीटर प्रति मिनट छमता के ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किया गया है। जिसका वर्चुअल लोकार्पण कृषि केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया स्थानीय सांसद संध्या राय के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक मेवाराम जाटव, भाजपा के जिलाध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर, पूर्व विधायक रणवीर जाटव, एसडीएम शुभम शर्मा, बीएमओ आलोक शर्मा, कृषि रसायन गुप ऑफ कंपनीज के जोनल हैड अजय पाटिल, क्षेत्रीय प्रबंधक गजेन्द्र सिंह राजपूत, भाजपा के नगर मंडल अध्यक्ष विवेक जैन, महामंत्री आशीष शर्मा, कांग्रेस पार्टी के किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आशीष गुर्जर, विजय उर्फ टोनी मुदगल सहित भाजपा एवं कांग्रेस के कई स्थानीय पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिवपुरा ग्राम पंचायत मे पेंसन सत्यापन हुए शुरू

पुष्पांजली टुडे

पाली ~सोजत सीटी ग्राम पंचायत शिवपुरा राजीव गांधी सेवा केंद्र मे सरपंच प्रतिनिधि नेमाराम के चूनाव का जो वादा था पेंसन सत्यापन फ्री मे करेगे वो अबकी बार भी फ्री मे करेगे समस्त ग्राम पंचायत के जो बुढे बुजुर्ग् विकलाग विधवा सभी के पेंसन सत्यापन फ्री मे कर रहे है और जब तक सरपंच पद पर रहेगे तब तक पेसन के सत्यापन फ्री मे करेगे पिछले साल भी सत्यापन फ्री मे हुए थे और जो भी कार्य होते है स्वय करते है और समस्त ग्राम पंचायत के लोगो से आग्रह है की आप ग्राम पंचायत आकर अपना पेसन सत्यापन करवाये।

11 नवंबर को कलपाथरी में मंडई मेले का आयोजन

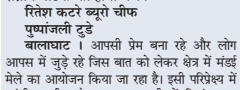

कालिया नाग पुष्पाहरण उर्फ वजिर मदन संग्राम नाटक का होगा मंचन

रितेश कटरे ब्यूरो चीफ
पुष्पांजली टुडे

बालाघाट । आपसी प्रेम बना रहे और लोग आपस में जुड़े रहे जिस बात को लेकर क्षेत्र में मंडई मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में लांजी तहसील के ग्राम कलपाथरी में दिनांक 11 नवंबर 2021 दिन गुरुवार को मंडई मेले का आयोजन किया जा रहा है। वही रात्रि के समय मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम के रूप में गांव के ही कलाकारों के द्वारा कालिया नाग पुष्पाहरण उर्फ वजिर मदन संग्राम नाटक का नाटकीय मंचन होना है।

गुर्जर समाज ने थाना प्रभारी व तहसीलदार पर कार्यवाही के लिए राज्यपाल के नाम सोपा ज्ञापन

थाना प्रभारी द्वारा गुर्जर समाज के लड़कों को झूठे केस में फ़साने की दी गई धमकी

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । गोहद गुर्जर समाज के द्वारा रविवार को खरौआ गांव के मंदिर परिसर में पंचायत की गई पंचायत के दौरान एसडीओपी गोहद नरेंद्र सिंह सोलंकी व तहसीदार रामजीलाल वर्मा को राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन के अनुसार सम्राट मिहिर भोज के बोर्ड को ढकने को लेकर गोहद थाना प्रभारी गोपाल सिंह सिकरवार व तहसीलदार पर केस दर्ज करने ओर निलंबन की मांग की गई है। खरौआ मंदिर परिसर में हुई पंचायत में गुर्जर समाज के लोगों ने एसडीओपी सोलंकी से कहा गांव के चौराहा पर बोर्ड लगाया गया था। बीती पांच नवंबर को थाना प्रभारी गोपाल सिकरवार द्वारा बोर्ड को ढकवा दिया। गुर्जर समाज के लोगों ने गोहद थाना प्रभारी पर आरोप लगाए कि थाना प्रभारी गोपाल सिकरवार 6 नवम्बर को आये और गांव के लड़को को जबरन बुलवाकर जातिगत अपमानित किया व सम्राट मिहिर भोज के बोर्ड को फाड़ने के लिए कहा नही फाड़ने पर झूठे केस में फ़साने की धमकी दी ओर सम्राट मिहिर भोज का बोर्ड फड़वा दिया। गुर्जर समाज के लोगों ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि ग्राम खरौआ, दंदरौआ, कतरौल, रति का पुरा और सुकांड गोरमी से सम्राट मिहिर भोज के बोर्ड हटवाए गए हैं। गुर्जर समाज ने मांग की है समाज मे विद्वेष फैलाने, महापुरुष का अपमान करने व पोस्टर फाड़ने पर थाना प्रभारी गोहद टीआइ सिकरवार व तहसीलदार पर केस दर्ज करने और निलंबन की मांग कर कार्यवाही के लिए सात दिन का अल्टीमेटम दिया गया है। गुर्जर समाज की पंचायत में वकील गन्वर सिंह गुर्जर, गिर्राज सिंह कक्कड़ खेड़ा ग्वालियर, वकील सुरेश सिंह, भारत सिंह, ज्ञान सिंह, लाखन सिंह, धर्मवीर सिंह कतरोल, सुरेंद्र सिंह, जवान सिंह, राजेंद्र सिंह, राजवीर सिंह, पंजाब सिंह, रामू कंषाना, आशी सिंह गुर्जर, महेंद्र सिंह, सब्बू सिंह, कल्लू पटेल, रामजी सिंह गुर्जर, अंशुल सिंह गुर्जर, पुष्पेंद्र सिंह गुर्जर, आज्ञाराम सिंह गुर्जर, सोवरन सिंह गुर्जर आदि मौजूद रहे।

हमीदिया में वॉर्मर फटने से हुआ हादसा

धुआं उठा तो स्टाफ ने ध्यान नहीं दिया और धधक उठा वार्ड

भोपाल। भोपाल के हमीदिया कैम्पस में बने कमला नेहरू अस्पताल में वॉर्मर फटने से आग लगी थी। पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर और पीआईयू विंग के अधिकारियों की प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है। जांच में पता चला है कि वॉर्मर खराब हो गया था, लेकिन इस पर तत्काल ध्यान नहीं दिया गया। वॉर्मर यूनिट नवजातों को निमोनिया से बचाव के लिए हर बेड पर लगाई जाती है। हालांकि, इसको लेकर भी जांच हो रही है कि क्या विशेष नवजात शिशु इकाई में इलेक्ट्रिक वायरिंग में कोई फॉल्ट था?

सूत्रों ने बताया कि कमला नेहरू अस्पताल में पीडब्ल्यूडी और सीपीए के इंजीनियरों व अधिकारियों ने देर रात उस वार्ड का निरीक्षण किया, जहां आग लगी थी। पता चला है कि जिस वार्ड में आग लगी, वहां 10 बेड थे। हर बेड पर एक वॉर्मर यूनिट लगी थी। इसमें से एक में खराबी होने से धुआं उठा, लेकिन स्टाफ ने इस पर ध्यान नहीं दिया। इस कारण आग लग गई और पूरे वार्ड में धुआं हुआ। प्रारंभिक जांच में नवजातों की मौत दम घुटने से होने की आशंका जताई जा रही है।

वार्ड के अंदर की स्थिति बेहद डरावनी: प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि हो सकता है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी हो। उन्होंने कहा कि वार्ड के अंदर की स्थिति बेहद डरावनी है। सरकार के सूत्रों ने बताया कि अस्पताल का मेंटेनेंस राजधानी परियोजना परिक्षेत्र के हाथों में है। हालांकि, मुख्यमंत्री इसे बंद करने की घोषणा कर चुके हैं, लेकिन इसकी प्रक्रिया अभी तक यह सिर्फ कागजों पर ही सीमित है।

नई बिल्डिंग में शिफ्ट होगा बच्चों का आईसीयू वार्ड: भोपाल कमिश्नर गुलशन बामरा ने अस्पताल परिसर में बैठक बुलाई। इसमें निर्णय लिया गया कि बच्चों के आईसीयू वार्ड को नई बिल्डिंग में शिफ्ट किया जाएगा।

नए सांसद के हाथ खाली, मार्च 2022 तक लगी है सांसद निधि पर रोक

भोपाल। खंडवा लोकसभा के उपुचनाव निपटने के बाद अब निर्वाचित सांसद के लिए क्षेत्र की जनता के लिए काम करना बड़ी चुनौती साबित हो रहा है। सरकर ने मार्च 2020 से सांसद निधि पर लगाई रोक अब तक नहीं हटी है। इसलिए जनता की तत्काल समस्या का निराकरण करने में सांसद के हाथ खाली है। यह रोक मार्च 2022 तक रहेगी। दरअसल सरकार ने कोरोना वायरस के संकट से निपटने के लिए फंड जुटाने के मकसद से सांसदों की स्थानीय विकास निधि यानी एमपीलेड को निलंबित कर दिया था। केंद्र के इस ऐलान के बाद से ही सांसदों को प्रति वर्ष अपने संसदीय क्षेत्र में मिलने वाले पांच करोड़ रुपए नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में नवनिर्वाचित सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के लिए जनता की समस्या का सामना करने की भी बड़ी चुनौती हैं। दरअसल निर्वाचित सांसद के लिए ढाई साल का कार्यकाल बचा है, जिसमें उन्हें अपने काम की क्षमता दिखाना है। ऐसे में पांच माह तो अभी सांसद निधि पर ही रोक लगी है। बीच में निकाय और ग्राम पंचायतों की आचार संहिता में भी समय जाएगा। 2024 के पहले 2023 में विधानसभा के भी चुनाव होना है। गौरलब है कि सांसद निधि स्थानीय विकास निधि केंद्र सरकार की योजना है।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत विधिक जागरूकता मेगा कैंप का आयोजन ग्राम वैशपुरा में हुआ संपन्न

लहार(अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे)

ग्राम पंचायत वैसपुरा में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत विधिक जागरूकता एवं सहायता हेतु मेगा कैंप का आयोजन संपन्न हुआ।जिसमें सुनील दंडोतिया सचिव जिला न्यायाधीश विधिक सेवा प्राधिकरण भिंड श्री आशीष कुमार मिश्रा जिला न्यायाधीश श्री आसिफ अहमद अब्बासी जिला न्यायाधीश श्री राजकुमार भद्रसेन न्यायिक मजिस्ट्रेट लहार श्रीमती संघ प्रिया भद्रसेन न्यायिक मजिस्ट्रेट लहार श्री भूपेंद्र सिंह न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री जयदीप मौर्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लहार श्री देवेश शर्मा जिला विधिक सहायता अधिकारी भिंड श्रीमान एसडीएम महोदय प्रजापति जी लहार श्री तहसीलदार महोदय लहार श्री सीईओ जनपद पंचायत लहार कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती जी की पूजा से शुरू होकर समस्त न्यायाधीशों का परिचय एवं विधिक सहायता पीएलबी विशाल दिक्षित द्वारा उपस्थित न्यायाधीशों का माल्यार्पण कर स्वागत किया कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सचिव सरपंच तथा आजीविका मिशन की सुसहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए जा रहे प्रोडक्ट का स्टॉल लगाया एवं महिला बाल विकास विभाग द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रमाण पत्र वितरित किए गए ब प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की आवेदनों की जानकारी दी गई कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम उपस्थित रही जिसमें डॉ नागर डॉक्टर शैलेंद्र राठौर हल्ल्ह्य स्कूल हेल्थ के लोग उपस्थित रहे कृषि विभाग लहार द्वारा चिन्हित कृषकों को चना बीजआदि वितरित किया गया जनपद पंचायत लहार से मुख्तार पदाधिकारी लहार द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित पात्र 10हितग्राहियों को कल्याणी पेंशन के दस्तावेज बांटे दो लोगों को कर्मकार मंडल का कार्ड वितरित किया एवं अनुभागीय अधिकारी द्वारा 12 लोगों को निशुल्क वृक्ष दिए गए कार्यक्रम में जिला नयायाधीश आशीष कुमार मिश्रा जी द्वारा विधिक साक्षरता पर जानकारी देते हुए कहा कि ऐसे लोग जो आज आर्थिक रूप से कमजोर है एवं जिने कानून की मदत चाहिए उनके लिए विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निशुल्क वकील की संपूर्ण व्यवस्था शासन द्वारा की जाती है जिला न्यायाधीश सुनील दंडोतिया सचिव विधिक सहायता प्राधिकरण द्वारा समस्त ग्रामीणों को नालसा एवं सालसा की योजनाओं के बारे में बताया तथा विधिक अधिकारी देवी शर्मा जी द्वारा बताया गया कि शासन की मंशा है कि अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को भी अगर न्याय की जरूरत है तो शासन एवं प्रशासन दोनों उस व्यक्ति को न्याय देने की व्यवस्था करता है कार्यक्रम का संचालन शासकीय ठाकुर ज्ञान सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जेतपुरा के प्राचार्य डॉ जे पी बघेल ने की एवं लहार तहसीलदार महोदय द्वारा उपस्थित सभी न्यायाधीश गणों का आभार प्रकट किया गया।

गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन लांजीगढ़ की बैठक संपन्न

रितेश कटरे ब्युरो चीफ
पुष्पांजली टुडे

बालाघाट । जिले की लांजी तहसील मे दिनांक 9 नवंबर 2021 दिन मंगलवार को गोंडवाना सामुदायिक भवन लांजीगढ़ में गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन लांजीगढ़ के सक्रिय कार्यकर्ताओं द्वारा विशेष बैठक रखी गयी। जिसका मुख्य उदेश्य नये सदस्य जोड़ना और कुछ पदों पर परिवर्तन करना?।

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए सर्वप्रथम प्रकृति शक्ति फड़ापेन की गोंगो अर्थात की पूजा-अर्चना किया गया, तथा उपस्थित सभी सम्माननियों का पीले चावल से स्वागत किया है। बैठक में संगठन के रिक्त पदों पर नियुक्ति और पुराने पदाधिकारियों के पद परिवर्तन किए गए जिसमें नरेश उइके को अध्यक्ष , उपाध्यक्ष - सीमा पन्द्रे, अमन मर्सकोले , सचिव - संदीप टेकाम, कोषाध्यक्ष - मनोज मड़ावी, मीडिया प्रभारी - सुनील उइके एवं पूनाराम मसराम, अजय नेवारे, विजय मसराम, निकिता मड़ावी सदस्यता के रूप में नियुक्त किया गया। गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन लांजीगढ़ के पूर्व अध्यक्ष सुशीला वरकड़े, गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन मध्यप्रदेश के सदस्य दीनू उइके , गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन जिला समन्वयक

बालाघाट लोकेश मलगाम मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित रहे7 उपस्थित सामाजिक कार्यकर्ताओं ने युवाओं में कनेक्टिविटी बनाये रखने उपाय एवं समस्या के समाधान करने के उपायों पर विशेष चर्चा करते हुए इस ओर ध्यान आकर्षित किया गया। 15 नवंबर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाने की योजना बनायी गयी।? प्रत्येक गाँव गाँव में कार्यक्रम आयोजित कर समाज में ÷एक सोच - एक परिवार÷ का निर्माण होगा। 26 नवंबर संविधान दिवस के उपलक्ष पर युवाओं के नयी सोच और लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सकारात्मक पहल करने की रणनीति के साथ कार्यक्रम मनाने चर्चा किया गया।

नम आंखों से कुँवर लक्ष्मण सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की

पुष्पाजंली टुडे

कुक्षी ~ सिर्वी समाज आईपन्थ के दीवान माधवसिंह राठौड़ के ज्येष्ठ पुत्र कुँवर डॉ.लक्ष्मण सिंह कि ब्रह्मलीन अमर आत्मा को अश्रुपूरित भावभिनी श्रद्धांजली व दो मिनिट का मोन क्षत्रिय सिर्वी समाज सकल पंच समिति व समाज बन्धुओ,माता-बहनों,वरिष्ठजनो द्वारा दिनांक 07 नवम्बर 2021 रविवार को श्री आई माताजी मन्दिर बढेर चौक कुक्षी में रात्रि 08 बजे श्रद्धांजलि सभा रखी गई। श्रधांजलि सभा मे शिक्षक नरेंद्र सिर्वी सर व रामायण मण्डल अध्यक्ष रमेश जमादारी ने कुँवर डॉ लक्ष्मण सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन पर सभी समाजजनों को विस्तार से बताया। कुवँर डॉ लक्ष्मण सिंह की अमर आत्मा के लिये श्री आई माता जी मन्दिर के पुजारी पंडित घनश्याम चाष्ठा द्वारा श्री मदभागवत गीता के सातवें व पंद्रहवा अध्याय एवं विष्णू सहसत्र नाम का पाठ किया गया।

वन-टू-वन

महिला कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अर्चना जायसवाल पहुंची कमला नेहरु अस्पताल

भोपाल। कमला नेहरु अस्पताल के शिशु वार्ड में हुई आग की घटना और 4 बच्चो की असमय हुई मृत्यु पर महिला कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डॉ श्रीमती अर्चना जायसवाल ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए घटना की उच्च स्तरीय जांच एवं दोषियों पर कडी कार्यवाही की मांग की है। मंगलवार सुबह श्रीमती जायसवाल पीडित परिजनों एवं हादसे में घायल हुए शिशुओं का हालचाल जानने पहुंची। लेकिन प्रशासन एवं अस्पताल प्रबंधन द्वारा श्रीमती जायसवाल को शिशुओं के माता-पिता एवं परिजनों से नही मिलने दिया। जायसवाल ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि उनूहें पीडितों से मिलने नही दिया जा रहा है यह आपत्तिजनक है। उन्होने आरोप लगाते कहा कि अस्पताल एवं प्रशासन अपनी नाकामियों को छिपाने जुटे है इसलिए उन्हें पीडितो से नही मिलने दिया जा रहा है।

पत्नी गई पडोस मे, ओर बेटिया पढने, पति ने लगा ली फांसी

भोपाल। राजधानी के पिपलानी थाना इलाके में एक पान विक्रेता ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। खुदकुशी के कारण सामने नही आ सके है, जिसकी पुलिस जांच कर रही है। पिपलानी थाना पुलिस ने बताया कि आनंद नगर में अंग्रेजी शराब की दुकान के पास वह पान की दुकान चलाते वाले दीपक देशमुख (48), सिद्धार्थ एन्?कलेव में परिवार के साथ रहते थे। दीपक के परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटियां है। बीती शाम को दीपक घर पर थे। इस दौरान उसकी बेटियां ट्यूशन पढ़ने गई थीं, जबकि पत्नी मोहल्ले में दीपावली मिलने के लिए चली गई थी। रात करीब साढ़े नौ बजे पत्नी, बेटियां घर लौटीं तो दरवाजा भीतर से बंद होने पर उन्होने काफी आवाजे दी, लेकिन दीपक ने दरवाजा नहीं खोला। इसके बाद पत्नी ने पड़ोसियों को बुलाया। ओर किसी तरह दरवाजा खोलकर वे लोग अंदर पहुंचे, जहॉ दीपक का शरीर फांसी पर झूलता मिला। पडोसियो की मदद से राजन का फंदे से नीचे उतारकर नजदीक के निजी अस्पताल पहुंचाया गया जहॉ शुरुआती चेकअप के बाद ही डाक्टरो ने दीपक को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने बताया कि घटनास्थल की छानबीन के दौरान फिलहाल कोई सुसाइड नोट या अन्य ऐसा सुराग नहीं मिला है, जिससे कारणो का खुलासा हो सके। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। उधर बैरागढ़ निवासी सुंदरदास की एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। छह नवंबर को अज्ञात जीप ने सुंदरदास को टक्कर मार दी थी। हादसे में वह बुरी तरह घायल हो गए थे। पुलिस ने अज्ञात जीप के चालक के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

म्यूजिशियन-कंटेंट क्रिएटर रॉब लैंडेस ने यूट्यूब पर शुरू किया 'स्क्विड गेम' का ऑनलाइन एडीशन

वॉशिंगटन। दक्षिण कोरियाई शो 'स्क्विड गेम' नेटफिल्क्स पर रिलीज होने के बाद से पूरी दुनिया में तहलका मचा रहा है। इस शो ने सोशल मीडिया पर मीम्स से लेकर हैलोवीन कल्चर और अब ओमेगल चैट को प्रभावित किया है। हाल ही में म्यूजिशियन और कंटेंट क्रिएटर रॉब लैंडेस ने यूट्यूब पर एक वीडियो शेयर करके ओमेगल पर 'स्क्विड गेम' का ऑनलाइन एडीशन शुरू किया है। वीडियो में रॉब स्क्विड गेम की तरह गुलाबी कपड़ों और काले मुखौटे पहने नजर आ रहे हैं। उनके मुखौटे पर चौकोर आकार बना हुआ है। ओमेगल पर उन्होंने लोगों से बदली हुई आवाज में बातचीत की। चूंकि, नेटफ्लिक्स शो में गेम के विजेता ने 456 नंबर पहना था। इसलिए रॉब ने भी अपने गेम शो के विनर के लिए 456 डॉलर का इनाम रखा है। ओमेगल पर कुछ लोग अपने मैच के रूप में 'स्क्विड गेम' के गुलाबी सैनिक को देखकर हैरान हो गए। कई लोग वर्चुअल स्क्विड गेम में हिस्सा लेने और पैसे जीतने के लिए तुरंत तैयार हो गए। रॉब ने अपने गेम शो के दर्शकों को 'स्क्विड गेम' की तर्ज पर 'वीआईपी' कहकर संबोधित किया। उन्होंने दर्शकों से कमेंट बॉक्स में संभावित विजेता पर अपना 'दांव' लगाने का भी आग्रह किया। पहले गेम में सात खिलाड़ी शामिल हुए, जिन्हें एक मिनट में 30 सिट-अप्स या पुश-अप्स पूरा करने का टास्क दिया गया। स्क्विड गेम के वर्चुअल संस्करण में टास्क को पूरा करने में फेल होने पर सजा के रूप में खिलाड़ियों का कॉल तुरंत डिस्कनेक्ट कर दिया जाता है। पहले राउंड में खिलाड़ी अपनी फिटनेस का प्रदर्शन करते दिखे। जैसे ही गेम का टाइमर शुरू हुआ, रॉब ने अपने वायलिन पर स्क्विड गेम का म्यूजिक बजाना शुरू कर दिया। सात में से छह खिलाड़ियों ने दूसरे दौर के लिए क्वालीफाई किया। अभी शो का दूसरा फेज आना बाकी है।

विकसित देश जिम्मेदारी स्वीकार करें और विकासशील देशों को वित्तीय मदद दे

ग्लासगो। ब्रिटेन के ग्लासगो में आयोजित अंतरराष्ट्रीय जलवायु शिखर सम्मेलन 'सीओपी-26 में हुए विचार-विमर्श पर भारत ने निराशा व्यक्त करते कहा कि जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक कार्रवाई विकसित देशों से समय पर और पर्याप्त वित्तीय मदद मिलने पर निर्भर है। भारत ने कहा कि जलवायु संबंधी कार्रवाई के लिए वित्तीय मदद के दायरे, पैमाने और उस मुहैया कराने की गति को बढ़ाना होगा। आर्थिक मामलों के विभाग की सलाहकार चांदनी रैना ने भारत की ओर से कहा,सबसे पहले, हम सीओपी26 में अभी तक हुए विचार-विमर्श पर निराशा व्यक्त करते हैं..विकसित देशों को ऐतिहासिक जिम्मेदारी स्वीकार करें और विकासशील देशों को वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने चाहिए। उन्होंने कहा,जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक कार्रवाई समय पर और पर्याप्त वित्तीय मदद उपलब्ध कराने पर निर्भर है।

उज्जैन जेल में कैदी से करवाए बड़े लोगों के फोन हैक!

साइबर सेल में दर्ज हुआ केस

भोपाल । उज्जैन जेल स्टाफ पर एक दोषी कैदी ने डिजिटल धोखाधड़ी जैसा गलत काम करवाने का आरोप लगाया है। बंदी का आरोप है कि डिजिटली धोखाधड़ी करने के लिये जेल अधिकारियों ने उसको बड़े लोगों के मोबाइल हैक करने के लिये मजबूर किया। बंदी का कहना है कि उसे आईपीएस अधिकारियों, न्यायाधीशों और राज्य के गृह मंत्री के सचिव सहित विभिन्न बड़े लोगों के मोबाइल फोन हैक करने के लिए मजबूर किया गया। कैदी की शिकायत पर साइबर सेल में मामला दर्ज किया गया है। साइबर सेल ने इसकी जांच के लिये तीन टीमों का गठन किया है।

मिली जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र निवासी अनंत अमर अग्रवाल जालसाजी का दोषी कैदी है। अग्रवाल ने इस संबंध में शिकायत दर्ज करवाई थी। बाद में निचली अदालत ने सुरक्षा आधार पर उसे उज्जैन से भोपाल सेंट्रल जेल में ट्रांसफर कर दिया। अग्रवाल का आरोप है उज्जैन जेल में उसे एक लैपटॉप और इंटरनेट सुविधा दी गई थी। इसके साथ ही डार्क नेट से खरीदे गए क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके डिजिटल धोखाधड़ी के माध्यम से करोड़ों रुपये की कमाई की गई। जेल अधिकारियों ने उसे प्रदेश के विभिन्न वीआईपी लोगों के मोबाइल फोन में मैलवेयर लोड करने के लिए भी कहा गया।

एफआईआर दर्ज की गई है

साइबर सेल के डीजी योगेश देशमुख ने बताया कि उन्हें जेल विभाग से शिकायत मिली है। कैदी के आरोपों की जांच के लिए एफआईआर दर्ज की गई है। अग्रवाल ने एक महिला जेल अधीक्षक और उप जेल अधीक्षक पर उसे परेशान करने का आरोप लगाया है। कोर्ट ने उसकी शिकायत को जांच के लिए जेल विभाग को भेजा। बाद में वहां से साइबर सेल को भेजा गया है।

आरोपों का अभी तक कोई सबूत नहीं मिला है

साइबल सेल को अभी तक अग्रवाल के आरोपों का कोई सबूत नहीं मिला है। साइबर सेल इसकी गहनता से जांच कर रही है। उज्जैन के पूर्व जेल अधीक्षक में से एक ने जेल नियमावली की अवहेलना की है। जेल में दोषी कैदी को लैपटॉप और इंटरनेट की सुविधा देने के लिए अब वह साइबर सेल के रडार पर है।

कैदी का दावा वह आईआईटी कानपुर से पासआउट है

वहीं अग्रवाल ने दावा किया है कि आईआईटी-कानपुर से पास आउट है। उसने आगे की पढ़ाई भी एक विदेशी विश्वविद्यालय से की है। लेकिन जांच में सामने आया है कि वह आठवीं कक्षा में फेल हो चुका है। उसके खिलाफ दूसरे अन्य राज्यों में भी धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज हैं। उज्जैन के पूर्व जेल अधीक्षक ने उसे तांत्या टोपे पर लिखी गई एक पुस्तक की सामग्री को ढूंढने और उसका अनुवाद करने के लिए लैपटॉप और नेट दिया था। लेकिन आरोपी

सरकार की नई एंटी बायोटिक पॉलिसी

भोपाल। अब उन स्वस्थ लोगों को भी एंटी-टीबी ड्रग खाना होगी, जिनके परिवार में किसी को टीबी हुई हो। राज्य सरकार एक नया आदेश लाई है, जिसके तहत जिस मरीज में टीबी की पुष्टि हुई है, उसके परिजन और सीधे संपर्क में आने वाले लोगों को भी यह दवा दी जाएगी। पहली बार यह योजना लागू की जा रही है। बीमारी पर एंटीबायोटिक दवाओं के कम होते असर को देखते हुए सरकार एंटीबायोटिक पॉलिसी लाई है, ताकि इन दवाओं का दुरुपयोग बंद हो। बेवजह कोई दवा न खाए। वहीं दूसरी तरफ बीमारी की आशंका के मद्देनजर स्वस्थ व्यक्ति को भी एंटी टीबी ड्रग दी जाएगी। इसे टीबी-प्रिवेंटिव थैरेपी कहा जा रहा है। कोर्स में आइसोनियाजिड दवा भी शामिल है, जो सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है। हालांकि विभाग के पास ऐसे आंकड़े नहीं हैं कि टीबी के मरीज के संपर्क में आने से कितनों को संक्रमण हुआ।

देश में पहली बार सीबीआई जैसे साफ्टवेयर का इस्तेमाल कर प्रदेश में बनाए जाएंगे लर्निंग लाइसेंस

पासपोर्ट की तरह कठिन होगा लर्निंग लाइसेंस पाना

ऑनलाइन लर्निंग लाइसेंस में आवेदक द्वारा ही टेस्ट दिए जाने की पुष्टि किए जाने के लिए परिवहन विभाग ने तैयार करवाया साफ्टवेयर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर करता है काम

भोपाल। देश में पहली बार मध्यप्रदेश में लर्निंग लाइसेंस टेस्ट के लिए ऐसे साफ्टवेयर का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसका इस्तेमाल सीबीआई, पासपोर्ट और इमिग्रेशन जैसे केंद्रीय विभाग करते हैं। इसे तैयार कर लिया गया है और इसका ट्रायल भी शुरू हो चुका है। अगले दो से तीन माह में इसे लागू कर दिया जाएगा। इसके बाद घर बैठे लर्निंग लाइसेंस का टेस्ट देने वाले आवेदक की सही पहचान यह सिस्टम करेगा और आवेदक की जगह कोई और टेस्ट नहीं दे सकेगा। परिवहन विभाग द्वारा 1 अगस्त से प्रदेश में घर बैठे ऑनलाइन लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस की व्यवस्था शुरू की है। शुरुआत से ही इसे लेकर शिकायतें मिल रही हैं कि इसमें आवेदक के स्थान पर कोई और भी परीक्षा देकर आसानी से टेस्ट में पास करवा सकता है। ज्यादातर आरटीओ एजेंट ये काम कर रहे हैं और आवेदकों से इसके पैसे ले रहे हैं। ऐसी शिकायतों को देखते हुए परिवहन विभाग ने ऑनलाइन टेस्ट के दौरान आवेदक द्वारा ही टेस्ट दिए जाने को सुनिश्चित करने के लिए नया सिस्टम तैयार किया है। इस सिस्टम को नेशनल इंफॉर्मेशन सेंटर (एनआईसी) के माध्यम से तैयार करवाया गया है, जिसमें आवेदक जब टेस्ट देगा तो उसके सिस्टम पर लगे वेबकेम के माध्यम से यह सिस्टम सुनिश्चित करेगा कि आवेदक ही परीक्षा दे रहा है या नहीं।

आधार में लगे फोटो का चेहरे से करेगा मिलान: इस सिस्टम की टेस्टिंग कर रहे अधिकारियों ने बताया कि नई व्यवस्था में आवेदक को अपना आधार नंबर देना होता है। वेरिफिकेशन के बाद सिस्टम आवेदक के आधार में लगे फोटो और अन्य जानकारी को ही लर्निंग लाइसेंस के लिए लेता है, लेकिन नए सिस्टम में आवेदक के आधार में लगे फोटो का वर्तमान चेहरे से मिलान होगा। अधिकारियों ने बताया कि टेस्टिंग के दौरान आवेदक के आधार में लगे 10 साल पुराने फोटो को भी सिस्टम ने पहचान लिया। आधार में लगे फोटो के बाद आवेदक के चेहरे में आने वाले बदलाव जैसे दाढ़ी कटी होना या बढ़ी होना। हेयर स्टाइल में आए बदलाव जैसी छोटी-छोटी चीजें जिसे हम सामान्य आंखों से पहचानने में गलती कर सकते हैं, यह सिस्टम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से आसानी से पहचान पा रहा है। कोई भी गड़बड़ी नजर आने पर यह सिस्टम आवेदन को स्वीकार नहीं करेगा और विभाग को अलर्ट भी देगा।

घर बैठे लर्निंग लाइसेंस तो बना लिया, अब पक्के के लिए भटक रहे

भोपाल। परिवहन विभाग ने घर बैठे लाइसेंस देने की योजना का तो खूब बखान किया, लेकिन अब पक्के लाइसेंस लेने के लिए आवेदकों को आरटीओ कार्यालय के चक्कर लगाना पड़ रहे हैं। दो अलग-अलग सॉफ्टवेयर होने के कारण हजारों लाइसेंस प्रिंट नहीं हो पाए हैं, जबकि आरटीओ अधिकारियों का दावा है कि जल्द से जल्द लाइसेंस प्रिंट करके दिए जा रहे हैं और जल्द ही सभी आवेदकों के पास लाइसेंस होंगे, जो परीक्षा में पास हो चुके हैं।1 अगस्त से प्रदेश में भी ऑनलाइन लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस की व्यवस्था शुरू हो गई थी और घर बैठे आवेदक परीक्षा देकर लाइसेंस बनवा रहे थे। प्रदेश में भी बड़ी संख्या में लोगों ने घर बैठे लर्निंग लाइसेंस तो बनवा लिए, लेकिन उनके पक्के ड्राइविंग लाइसेंस अभी तक नहीं मिले हैं। अधिकारियों ने डाक द्वारा उनके पते पर पक्के ड्राइविंग लाइसेंस भिजवाने को कहा था। दरअसल ऑनलाइन व्यवस्था और आरटीओ की कम्प्यूटर व्यवस्था में सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग अलग-अलग होने से आवेदक का डाटा एक-दूसरे में ट्रांसफर नहीं हो रहा है, इसलिए पक्के लाइसेंस के लिए अलग से काम करना पड़ रहा है। सितंबर और अक्टूबर के आवेदकों को मिलाकर धीरे-धीरे लाइसेंस प्रिंट किए जा रहे हैं, लेकिन पिछले कुछ दिनों से लाइसेंस प्रिंट नहीं होने के कारण आवेदक अब आरटीओ के चक्कर लगा रहे हैं।

इसलिए नहीं हो पा रहे हैं लाइसेंस प्रिंट

आरटीओ के सूत्रों ने बताया कि एनआईसी और स्मार्ट चिप कंपनी के कम्प्यूटरों में जो सॉफ्टवेयर प्रोग्राम है, वह अलग-अलग है। अधिकारियों ने ये सुविधा शुरू करने के पहले यह नहीं देखा कि ऑनलाइन लाइसेंस का काम कौन करेगा? हालांकि जवाबदारी स्मार्ट चिप कंपनी की ही है। जो नए लाइसेंस प्रिंट हो रहे हैं, उसमें फोंट साइज छोटा आ रहा है, जिससे वह पुराने लाइसेंस कार्ड में ठीक से प्रिंट नहीं हो रहा है। इस चक्कर में कुछ लाइसेंस कार्ड खराब भी हो चुके हैं। अब इसका फोंट साइज बड़ा करने के लिए इंतजार किया जा रहा है, ताकि बचे हुए लाइसेंस प्रिंट हो सकें।

कोविडरोधी टीका लगवाते ही बदली महिला की किस्मत, खुल गई 7.4 करोड़ की लाटरी

सिडनी)। ऑस्ट्रेलिया की रहने वाली जोआन झू नाम की एक महिला की किस्मत कोविडरोधी टीके बदल दी। कोरोना टीका लगवाने के बाद उसे दो, चार करोड़ नहीं बल्कि 7.4 करोड़ रुपए मिले हैं। ये बात सुनकर शायद आपको अजीब लगे लेकिन यह सच है। जानकारी मुताबिक वैक्सीनेशन शुरू होने के इतने दिनों बाद भी बहुत से लोग दिलचस्पी नहीं दिखा रहे थे। जिस वजह से उन्होंने लॉटरी वाली योजना शुरू की। इसी कड़ी में ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने द मिलियन डॉलर वैक्स अलायंस लॉटरी सिस्टम शुरू किया। जिसके तहत जोआन झू नाम की महिला के हाथ एक मिलियन डॉलर की लॉटरी लगी, जो भारतीय करेंसी में तकरीबन 7.4 करोड़ रुपए के बराबर है। रिपोर्ट के अनुसार, पुरस्कार के लिए ऑस्ट्रेलिया के परोपकारी लोगों और कंपनियों के एक ग्रुप ने पैसा जुटाया था। इस लकी ड्रॉ में करीब 30 लाख लोग शामिल हुए थे, जिनमें जोआन भी शामिल थीं। जोआन को प्राइज जीतने के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। लेकिन, जब उसे जानकारी मिली तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने कहा कि वो घरवालों के लिए तोहफे खरीदने और भविष्य के लिए निवेश की योजना बनानी शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक वैक्सीन लेने और लॉटरी में रजिस्ट्रेशन करवाने के बाद जोआन ने लॉटरी का अपडेट नहीं लिया। एक दिन उनको अधिकारियों ने कॉल किया, तब जाकर उन्हें पता चला कि वो 1 मिलियन डॉलर जीत चुकी हैं। हैरानी की बात तो ये है कि उन्होंने लॉटरी अधिकारी का पहला कॉल मिस कर दिया था। हालांकि कुछ देर बाद जब उन्होंने दोबारा कोशिश की, तो बात हो गई। अब उनको चेक मिल गया है और वो जीती हुई राशि को खर्च करने की योजना बना रही हैं। जोआन उन लाखों ऑस्ट्रेलियंस में से एक हैं, जिन्होंने सरकार के अनुरोध पर कोरोना का टीका लगवाया और लकी ड्रॉ में वह करोड़पति बन गई।

अंतरिक्ष में चलने वाली पहली चीनी महिला की उपलब्धि हासिल कर वांग यपिंग ने रचा इतिहास

स्पेस में छह घंटे तक लगातार की चहलकदमी

बीजिंग। चीन की महिला अंतरिक्ष यात्री वांग यपिंग ने स्पेस में लगातार छह घंटे तक चहलकदमी कर बड़ा कीर्तिमान रचा है। वांग यपिंग ने अपने पुरुष सहकर्मी झाई जिगांग के साथ वह निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन से बाहर निकलीं और छह घंटे से ज्यादा समय तक उन्होंने अन्य गतिविधियों में हिस्सा लिया। सरकारी मीडिया की खबर से यह जानकारी मिली। खबर के अनुसार दोनों अंतरिक्ष स्टेशन के कोर मॉड्यूल 'तियान' से बाहर निकले और सोमवार तड़के साढ़े छह घंटे तक अंतरिक्ष में चहलकदमी की और फिर सफलतापूर्वक स्टेशन लौट आए। 'चाइना मेन्ड स्पेस एजेंसी' ने एक बयान में कहा कि चीन के अंतरिक्ष इतिहास में ऐसा पहली बार था जब एक महिला अंतरिक्ष यात्री ने अंतरिक्ष में चहलकदमी की। चीन ने तीन अंतरिक्ष यात्रियों को 16 अक्टूबर को छह महीने के लिए शेनजो-13 यान से अंतरिक्ष में रवाना किया था।

देश द्वारा आर्बिटिंग स्ट्रक्चर (अंतरिक्ष स्टेशन) का काम पूरा करने के लक्ष्य से इन्हें भेजा गया है और ऐसी उम्मीदें हैं कि स्टेशन निर्माण का काम अगले साल तक पूरा हो जाएगा। शांदोंग प्रांत की मूल निवासी और पांच साल की एक बच्ची की मां वांग (41) पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) एयर फोर्स से अगस्त,1997 में जुड़ी थीं। पीएलए की अंतरिक्ष इकाई के दूसरे समूह के अंतरिक्षयात्रियों से मई, 2010 में जुड़ने से पहले वह उप स्क्वाड्रन कमांडर थीं। अंतरिक्ष में जाने वाली वह दूसरी चीनी महिला हैं। मौजूदा मानव अंतरिक्ष मिशन के लिए उनका चयन दिसंबर 2019 में किया गया था। सरकारी खबर के अनुसार वांग से पहले, 1984 से अक्टूबर 2019 तक, 42 'स्पेसवॉक' में कुल 15 महिलाओं ने भाग लिया था। अंतरिक्ष यात्री स्वेतलाना सवित्स्काया अंतरिक्ष में चहलकदमी करने वाली पहली महिला बनी थीं। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री संघ के लिए अंतरिक्ष परिवहन समिति के उपाध्यक्ष यांग यूगुआंग ने कहा, 'अतिरिक्त गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी मानवयुक्त अंतरिक्ष का एक अभिन्न अंग है, और हम वांग की बहादुरी के जरिये इतिहास रचते देख रहे हैं।'

वांग और झाई ने अतिरिक्त गतिविधियों का संचालन किया, जिसमें सोमवार को अंतरिक्ष में चलहकदमी भी शामिल थी। चालक दल के तीसरे सदस्य, ये गुआंगफू ने मॉड्यूल के भीतर से एक सहायक की भूमिका निभाई। बयान में कहा गया है कि यह जोड़ी लगभग 6.5 घंटे में सफलतापूर्वक अपना काम पूरा करने के बाद देर रात 1¬16 बजे (बीजिंग समयानुसार) कोर मॉड्यूल में लौट आई।

पाक सरकार ने आलोचना के बाद इस्लामाबाद में हिंदू मंदिर के लिए भूखंड का आवंटन बहाल किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में पहले हिंदू मंदिर के निर्माण के लिए भूखंड के आवंटन को भारी आलोचना के बाद बहाल कर दिया गया है। इससे पहले अधिकारियों ने शीर्ष अदालत से कहा था कि हिंदू समुदाय को किए गए भूमि के आवंटन को रद्द कर दिया गया है।

राजधानी विकास प्राधिकरण (सीडीए) ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में मामले की सुनवाई के दौरान भूखंड के आवंटन को रद्द करने की जानकारी दी।

सीडीए के वकील जावेद इकबाल ने अदालत को बताया कि नगर निकाय एजेंसी ने इस साल फरवरी में भूखंड के आवंटन को रद्द कर दिया था, क्योंकि इसपर निर्माण शुरू नहीं हुआ था। खबर के मुताबिक, इस्लामाबाद में एच-9/2 में चार कनाल (आधा एकड़) भूमि 2016 में समुदाय को पहले हिंदू मंदिर, श्मशान और सामुदायिक केंद्र के निर्माण के लिए आवंटित की गई थी। भूखंड के आवंटन को रद्द करने की खबर के बाद, मुख्यधारा की मीडिया के साथ-साथ सोशल मीडिया पर सीडीए की आलोचना की गई, जिसकी वजह से उसे अधिसूचना वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

सीडीए प्रवक्ता सैयद आसिफ रज़ा ने कहा कि सरकार के एक निर्णय के बाद विभिन्न कार्यालयों, विश्वविद्यालयों और अन्य संस्थानों को किए गए उन सभी भूखंडों के आवंटन रद्द कर दिए गए थे, जिन पर कोई निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया था। उन्होंने कहा नगर निकाय एजेंसी के संबंधित अधिकारियों ने कैबिनेट के फैसले की गलत व्याख्या की और हिंदू समुदाय को आवंटित भूखंड को भी रद्द कर दिया।

उन्होंने कहा कि मंदिर के लिए आवंटित जमीन पर चारदीवारी के निर्माण की मंजूरी पहले ही दी जा चुकी है, इसलिए इस पर कैबिनेट का फैसला लागू नहीं होता है। उन्होंने कहा यह भूखंड उस श्रेणी में नहीं आता, जहां निर्माण शुरू नहीं हुआ है। प्रवक्ता ने नए आवंटन पत्र की एक प्रति भी साझा की जो कहती है कि इस्लामाबाद के सेक्टर एच-9/2 में हिंदू समुदाय को मंदिर, सामुदाय केंद्र और श्मशान के लिए आवंटित भूखंड वैध है, क्योंकि यह कैबिनेट के 22 सितंबर 2020 के फैसले के तहत नहीं आता है।

यह पूछे जाने पर कि क्या सीडीए कैबिनेट के फैसले की गलत व्याख्या करने वालों के खिलाफ कोई जांच शुरू करेगा, उन्होंने कहा वास्तव में, इस मामले में कोई गलत इरादा नहीं था। उन्होंने कहा कैबिनेट के फैसले को लेकर भ्रम और गलतफहमी थी और जब मामला उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाया गया, तो आवंटन तुरंत बहाल कर दिया गया। पिछले साल जुलाई में दक्षिणपंथियों ने सरकारी धन से एक हिंदू मंदिर बनाने के लिए सरकार की आलोचना की थी, जिसके बाद सीडीए ने समुदाय को भूखंड की चारदीवारी का निर्माण करने से रोक दिया था। बहरहाल, मामला दिसंबर में सुलझा लिया गया था, जब शहर के प्रबंधकों ने समुदाय को प्रस्तावित जमीन पर चारदीवारी का निर्माण करने की इजाजत दे दी थी।

पाक के बाद चीन ने भी आज अफगानिस्तान मुद्दे पर हो रही एनएसए स्तर की कांफ्रेंस में भाग लेने से मना किया

बीजिंग। अफगानिस्तान के मुद्दे पर भारत ने 10 नवंबर को दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल के नेतृत्व में तमाम देशों की सुरक्षा सलाहकारों की महत्वपूर्ण कॉन्फ्रेंस बुलाई है। तालिबान का मददगार पाकिस्तान के इस कॉन्फ्रेंस में आने से पहले ही इनकार कर चुका है। अब चीन ने भी इस बैठक में शामिल नहीं होने का निर्णय लिया है। बुधवार को होने वाली इस कांफ्रेंस में चीन-पाकिस्तान को छोड़कर, रूस और ईरान समेत सभी मध्य एशियाई देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शामिल होंगे। चीन ने कहा है कि शेड्यूलिंग समस्या के कारण वह इस मीटिंग में भाग नहीं ले पाएगा। इससे पहले पड़ोसी देश पाकिस्तान भी बैठक में भाग लेने से इनकार कर चुका है। इस बैठक में उनके न्योते की पुष्टि पाकिस्तान के विदेशी कार्यालय ने खुद की थी। वहीं, जब पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) मोईद युसूफ से पूछा गया कि क्या वह भारत की मेजबानी में होने वाली बैठक में शरीक होंगे? इसके जवाब में युसूफ ने कहा मैं नहीं जाउंगा। मैं नहीं जा रहा। एक विघ्नकर्ता (देश), शांति स्थापित करने वाला नहीं हो सकता। सूत्रों का यह भी मानना है कि रूस और ईरान समेत सभी मध्य एशियाई देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार इस सम्मेलन में शामिल होंगे। ऐसे में साफ है कि ये सभी देश यह जानते और मानते हैं कि अफगानिस्तान के संदर्भ में भारत की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। सभी देश भारत के साथ साझा रणनीति के तहत ही आगे बढ़ना चाहते हैं। अफगानिस्तान में बिगड़ती स्थिति, मानवाधिकारों का उल्लंघन, महिलाओं व बच्चों की स्थिति, मध्य एशिया और पड़ोसी देशों में तथा उसके आसपास बढ़ते सुरक्षा खतरों ने उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान सहित कई देशों के लिए नई सुरक्षा चुनौतियां पैदा कर दी हैं।

केंद्रीय मंत्री श्री तोमर द्वारा ग्वालियर-चंबल अंचल में 8 ऑक्सीजन प्लांट का लोकार्पण

केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया, क्षेत्र के सांसद, राज्य के मंत्री, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, अन्य जनप्रतिनिधि हुए शामिल

केंद्र व राज्य सरकार के फंड, पीएम केयर्स व सीएसआर द्वारा अनेकों स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान

ग्वालियर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री तथा क्षेत्रीय सांसद श्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य एवं नागर विमानन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की अध्यक्षता में मंगलवार को हुए एक कार्यक्रम में ग्वालियर-चंबल अंचल में स्थापित 8 ऑक्सीजन प्लांट का वर्चुअल लोकार्पण किया गया। मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने की दृष्टि से, लगभग ढाई करोड़ रूपए लागत के ये ऑक्सीजन प्लांट ग्वालियर जिले में मोहना व हस्तिनापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मुरैना जिले में सबलगढ़ उप-स्वास्थ्य केंद्र, भिंड में गोहद उप-स्वास्थ्य केंद्र, शिवपुरी में करेरा व पोहरी उप-स्वास्थ्य केंद्र, गुना जिले में चाचौड़ा उप-स्वास्थ्य केंद्र तथा अशोक नगर जिले के चंदेरी उप-स्वास्थ्य केंद्र में स्थापित किए गए हैं। इनके सहित अनेकों स्वास्थ्य सुविधाएं पिछले एक-डेढ़ साल में केंद्र व राज्य सरकार के फंड, पीएम केयर्स तथा सीएसआर फंड से श्री तोमर तथा अन्य मंत्रियों के प्रयासों से अंचल सहित म.प्र. को प्रदान की गई है।

इन आठ ऑक्सीजन प्लांट का लोकार्पण करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि इससे पहले अंचल में बारह ऑक्सीजन प्लांट चालू किए जा चुके हैं। साथ ही, दो सीटी स्कैन मशीनें लगाई गई है, दस एंबुलेंस प्रदान की गई है, मुरैना में ब्लड सेपरेटर मशीन लगाई गई है तथा कई बड़ी व पोर्टेबल एक्सरे मशीनें भी लगाई गई हैं। ऑक्सीजन कन्सन्ट्रेटर, सिलेंडर व अन्य सामग्री प्रदान की गई है। कोरोना महामारी का संकट आने के बाद इतने कम समय के भीतर, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा पीएम केयर्स फंड तथा अन्य मदों में एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा स्वास्थ्य सुविधाएं जुटाई गई। राज्य के अस्पतालों में 202 ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट्स की स्थापना की जा रही है, जिनमें से 171 प्लांट्स क्रियाशील किए जा चुके है।इन क्रियाशील प्लांट्स से प्रतिदिन 187 मैट्रिक टन ऑक्सीजन का उत्पादन किया जा सकेगा एवं आवश्यकता पड़ने पर 9345 रोगियों को 10 लीटर प्रति मिनट की दर से ऑक्सीजन प्रदाय कर उपचारित किया जा सकेगा। म.प्र. में पीएम केयर्स द्वारा 88, मुख्यमंत्री राहत कोष द्वारा 13 एवं अन्य विभिन्न माध्यमों जैसे स्वास्थ्य विभाग, सीएसआर एवं स्थानीय प्रयासों से शेष 101 प्लांट्स की स्थापना की जा रही है। प्रदेश में 202 ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट्स के द्वारा प्रतिदिन कुल लगभग 230 मैट्रिक टन मेडिकल ऑक्सीजन गैस का उत्पादन किया जा सकेगा एवं उत्पादित मेडिकल ऑक्सीजन गैस चिकित्सालयों में स्थापित ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट के द्वारा सीधे मरीजों को उपलब्ध कराई जा सकेगी। श्री तोमर ने स्थानीय प्रशासन से इन स्वास्थ्य सुविधाओं की देखभाल तथा जनहित में उपयोग की अपेक्षा भी व्यक्त की है।

श्री तोमर ने प्रधानमंत्री श्री मोदी जी को हार्दिक धन्यवाद दिया, जिन्होंने भारत सहित दुनियाभर में फैली इस महामारी से निपटने के लिए देश में तुरंत आवश्यक कदम उठाए और स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने पर दिन-रात मेहनत कर अमल कराया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के प्रोत्साहन और केंद्र व राज्य सरकारों के जबरदस्त तालमेल के कारण अभी तक भारत में वैक्सीन के 109 करोड़ से ज्यादा डोज लग चुके है, जो कि एक कीर्तिमान है और कोरोना के इस संकटकाल में पूरी दुनिया ने भारत के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। उन्होंने बाकी बचे लोगों से दूसरा डोज शीघ्र लगवाने व कोरोना प्रोटोकाल का पालन करने का अनुरोध किया।

केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने इच्छाशक्ति दिखाई व स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने के तेजी से प्रयास किए गए, जिसके कारण कोरोना के संकट से देशवासी काफी हद तक बच सके हैं और मरीजों को लाभ पहुंचा है। श्री सिंधिया ने कहा कि वैक्सीन सुरक्षा कवच है, जिसे सभी पात्र लोग तुरंत लगवाएं। श्री सिंधिया ने ग्वालियर-चंबल अंचल सहित प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए श्री तोमर के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम में म.प्र. के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री डा. महेंद्र सिंह सिसौदिया, उद्यानिकी प्रसंस्करण एवं नर्मदा घाटी विकास राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह, राजगढ़ के सांसद श्री रोडमल नागर, भिंड की सांसद श्रीमती संध्या राय, गुना के सांसद श्री के.पी. यादव आदि ने भी संबोधित किया और केंद्रीय मंत्री श्री तोमर व श्री सिंधिया द्वारा किए गए प्रयत्नों को सराहनीय बताया।

ग्वालियर ग्रामीण के जिला भाजपा अध्यक्ष श्री कौशल शर्मा, जिला पंचायत प्रशासकीय समिति अध्यक्ष श्रीमती मनीषा भुजवल यादव, जिला पंचायत प्रशासकीय समिति अध्यक्ष (मुरैना) श्रीमती गीता इंदर सिंह हर्षाना,भाजपा मुरैना के जिलाध्यक्ष श्री योगेशपाल गुप्ता, पूर्व विधायक श्री रणवीर जाटव, जिलाध्यक्ष श्री नाथू सिंह गुर्जर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कमला बैजनाथ, करैरा के पूर्व विधायक श्री रणवीर रावत व श्री रमेश खटीक, पूर्व विधायक श्री जसमंत जाटव, भाजपा के जिलाध्यक्ष श्री राजू बाथम, पूर्व विधायक श्री प्रहलाद भारती, पूर्व विधायक श्रीमती ममता मीणा, जिलाध्यक्ष भाजपा (गुना) श्री गजेन्द्र सिंह सिकरवार, जिला पंचायत प्रशासकीय समिति अशोकनगर की अध्यक्ष श्रीमती बाईसाहब देशराज यादव, जिलाध्यक्ष भाजपा (अशोकनगर) श्री ओमेश रघुवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा संगठन के पदाधिकारीगण एवं विभिन्न स्थानों पर क्षेत्रवासी भी कार्यक्रम से जुड़े थे।

ये ऑक्सीजन प्लांट एग्रीकल्चर इंण्डोर्सस कंपनी, घरडा केमिकल्स कंपनी, कृषि रसायन कंपनी के सीएसआर फंड से स्थापित किए गए हैं, वहीं सबलगढ़ में पीएम केयर्स की हावता से ऑक्सीजन प्लांट लगाया गया है। कार्यक्रम में घरडा केमिकल्स से श्री नीलेश कुलकर्णी,श्री दीपक सिंह,श्री सतीश बेंगोली, श्री जी.एस.चांदले और एग्रीकल्च्र इंण्डोर्सस कंपनी से श्री मलय कुमार पोद्दार, कृषि रसायन कंपनी से श्री राजेश अग्रवाल, श्री अतुल चूरीवाल व अंकिता अग्रवाल आदि भी

स्मार्ट सिटी बसों पर तैनात महिला कंडक्टरो का केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने किया सम्मान

ग्वालियर। ग्वालियर शहर की महिलायें बस परिचालक (कंडक्टर) की भूमिका का सफलतापूर्वक निर्वहन कर महिला सशक्तिकरण की नई इबारत लिख रही हैं। ग्वालियर स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने सूत्र सेवा के तहत 12 महिलाओं को शहर के अंदर दौ?ने वाली सिटी (इंट्रा) बस और इंटरसिटी बसों में बतौर कंडक्टर काम पर रखा है। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में इन महिला कंडक्टर का सम्मान कर इस सेवा का विधिवत शुभारम्भ किया।

केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने इस अवसर पर कहा कि महिलाओं द्वारा बस परिचालक जैसे दायित्व का निभाना नारी सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस सेवा की शुरुआत से बसों में सफर कर रही महिलाओं में भी सुरक्षा का भाव आएगा। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी, पूर्व विधायक सर्वश्री रमेश अग्रवाल, रामबरन गुर्जर, मदन कुशवाह व मुन्नालाल गोयल, भाजपा जिला अध्यक्ष शहर श्री कमल माखीजानी व ग्रामीण श्री कौशल शर्मा तथा श्री मोहन सिंह राठौर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना, पुलिस महानिरीक्षक श्री अविनाश शर्मा, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस उप महानिरीक्षक श्री राजेश हिंगणकर, अपर आयुक्त परिवहन श्री अरविंद सक्सेना, पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल व स्मार्ट सिटी की सीईओ श्रीमती जयति सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती जयति सिंह ने बताया कि स्मार्ट सिटी की सूत्र सेवा योजना के तहत शहर में 13 सिटी बस चल रही हैं, जबकि 14 इंटरसिटी बसें दूसरे शहरों में आ-जा रही हैं। अभी 8 महिला परिचालकों को सिटी बस पर तैनात किया है। शेष 4 महिलाओं को शहर के बाहर जाने वाली ग्वालियर-भिंड, ग्वालियर-गुना और ग्वालियर-शिवपुरी बस में तैनात किया गया है। जल्द ही 10 महिलाओं को बतौर ड्राइवर नौकरी दी जाएगी।

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान ने कृषि विश्वविद्यालय, फिजिकल विश्वविद्यालय और आईआईटीटीएम के साथ किया एमओयू साइन

ब्रिटानिया फाउण्डेशन के वॉलेन्टियरों से की कुपोषण निवारण के संबंध में चर्चा

ग्वालियर। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान भोपाल के उपाध्यक्ष श्री सचिन चतुर्वेदी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री जी. वी. रश्मि ने मंगलवार को ग्वालियर में तीन संस्थानों से एमओयू साइन किया। इसके साथ ही ब्रिटानिया फाउण्डेशन के न्यूट्रीशन वॉलेन्टियरों के साथ चर्चा की। मोतीमहल के मानसभागार में अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान ने ग्वालियर में कृषि विश्वविद्यालय, फिजिकल विश्वविद्यालय (एलएनआईपीई) और आईआईटीटीएम (भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान) के साथ एमओयू साइन किया। इसके साथ ही ब्रिटानिया फाउण्डेशन के माध्यम से कुपोषण निवारण के लिये ग्वालियर जिले में किए जा रहे कार्यों के संबंध में वॉलेन्टियरों से विस्तार से चर्चा की।

उपाध्यक्ष श्री सचिन चतुर्वेदी ने कहा कि ग्वालियर की तीन महत्वपूर्ण संस्थाओं से आज एमओयू साइन हुआ है। इसके माध्यम से खेल, कृषि और पर्यटन मैनेजमेंट के क्षेत्र में किए जा रहे विशेष कार्यों को मध्यप्रदेश में तेजी से लागू करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। ग्वालियर की यह तीनों ही संस्थायें अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। उन्होंने इस मौके पर यह भी कहा कि कुपोषण निवारण के क्षेत्र में मध्यप्रदेश सरकार तेजी से कार्य कर रही है। ग्वालियर जिले में भी ब्रिटानिया फाउण्डेशन के माध्यम से न्यूट्रीशन वॉलेन्टियरों के माध्यम से ऐसे गाँवों में कार्य किया जा रहा है जहाँ पर कुपोषण है। इनके प्रयासों से जिले में सकारात्मक परिणाम भी आने लगे हैं। सरकार के प्रयासों के साथ-साथ इस तरह के फाउण्डेशनों के माध्यम से भी कुपोषण निवारण की दिशा में कार्य किया जाएगा। बैठक में कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राव, फिजिकल कॉलेज के प्रो. गही तथा आईआईटीटीएम के प्रो. दीक्षित ने अपने-अपने संस्थान के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर नीति आयोग के सदस्य श्री स्वतंत्र कुमार सिंह, महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री राजीव सिंह एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

न्यायालयीन प्रकरणों के निर्णयों पर अमल की अभिनव पहल

लोक निर्माण विभाग ने बनाया पोर्टल

ग्वालियर। उच्चतम एवं उच्च न्यायालयों द्वारा पारित निर्णय और आदेशों पर समय-सीमा पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए, लोक निर्माण विभाग द्वारा अभिनव पहल की गई है। विभाग के सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा उच्च/उच्चतम न्यायालयों में दर्ज याचिकाओं तथा पारित आदेशों की जानकारी 30 नवम्बर 2021 तक विभाग के पोर्टल www.wms.mppwd.gov.in/ccllogin.asp& पर दर्ज करा सकेंगे। इससे न्यायालयों द्वारा पारित आदेशों पर विभाग समय-सीमा में पालन सुनिश्चित कर सकेगा। प्रमुख सचिव लोक निर्माण श्री नीरज मंडलोई ने बताया कि विभाग से संबंधित उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालयों में प्रकरणों में पारित आदेश की जानकारी समय-सीमा में प्राप्त न होने के कारण अनेक बार न्यायालय की अवमानना की स्थिति निर्मित हो जाती है। न्यायालयीन प्रकरणों में पारित आदेशों पर अमल के लिए लोक निर्माण विभाग में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विभाग में कार्यरत, सेवानिवृत्त तथा प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ कर्मचारी न्यायालयीन प्रकरणों की जानकारी पोर्टल पर 30 नवम्बर 2021 तक दर्ज करा सकते हैं। इससे विभाग द्वारा आवश्यक कार्रवाई समय-सीमा में सुनिश्चित की जा सकेगी। प्रमुख सचिव श्री मंडलोई ने प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग, प्रबंध संचालक, म.प्र. सड़क विकास निगम एवं परियोजना संचालक लोक निर्माण विभाग पीआईयू को निर्देशित किया है कि अधिनस्थ अमले को अवगत कराएं तथा न्यायालयीन प्रकरणों की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करें, जिससे प्रकरणों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने देखा ग्वालियर टूरिज्म प्लान का प्रजेण्टेशन

टूरिज्म प्लान को बेहतर बनाने के लिए 9 थीम बताईं

प्रथम चरण में ऐतिहासिक विरासत और संगीत की थीम पर काम शुरू करने के दिए निर्देश

ग्वालियर। ग्वालियर और आस-पास के पर्यटन को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उभारने के उद्देश्य से टूरिज्म प्लान तैयार किया जा रहा है। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की संयुक्त बैठक में इस टूरिज्म प्लान का प्रजेण्टेशन देखा। साथ ही इसे और बेहतर बनाने के लिये उपयोगी बिंदु बताए। उन्होंने ग्वालियर के पर्यटन प्लान को अंतिम रूप देने के लिये 9 थीम बताई हैं। श्री सिंधिया ने रॉयल थीम अर्थात ऐतिहासिक विरासत और संगीत थीम पर काम शुरू करने के निर्देश दिए। मंगलवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि टूरिज्म प्लान की जिस भी थीम पर काम शुरू करें, उसके सभी कार्य पूरे होने के बाद ही दूसरी थीम हाथ में लें। उन्होंने विषय विशेषज्ञों की सलाह के आधार पर समयबद्ध कार्यक्रम के तहत सबसे पहले ऐतिहासिक विरासत और संगीत की थीम को मूर्तरूप देने के निर्देश दिए। श्री सिंधिया ने एक माह के भीतर पुख्ता टूरिज्म प्लान तैयार करने को कहा है। उन्होंने कहा अगले माह इसकी फिर से समीक्षा की जायेगी। ग्वालियर के टूरिज्म प्लान का प्रजेण्टेशन देखने के बाद केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने टूरिज्म प्लान को और बेहतर बनाने के लिये जहां 9 थीम बताई, वहीं इस थीम को तैयार करने और सफलतापूर्वक धरातल पर लाने के लिये चार सूत्र बताए। साथ ही उन्होंने 11 ऐसी सुविधाओं के बारे में भी बताया जो किसी भी क्षेत्र के पर्यटन को ऊँचाईयां प्रदान करने के लिये अनिवार्य है। उन्होंने ग्वालियर शहर के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये इसके अतिरिक्त 8 और बिंदु बताए हैं। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने भी ग्वालियर के पर्यटन को ऊँचाईयां प्रदान करने के लिये उपयोगी सुझाव दिए। कलेक्टर तथा स्मार्ट सिटी की सीईओ ने ग्वालियर के टूरिज्म प्लान पर विस्तृत प्रजेण्टेशन दिया। बैठक में पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी, पूर्व विधायक सर्वश्री रमेश अग्रवाल, रामबरन गुर्जर, मदन कुशवाह व मुन्नालाल गोयल, भाजपा जिला अध्यक्ष शहर श्री कमल माखीजानी व ग्रामीण श्री कौशल शर्मा तथा श्री मोहन सिंह राठौर सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. I31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478